वर्ष : 33 » अंक : 120 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, मंगलवार, 16 जुलाई 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई होर्डिंग मामला

SIT ने कोर्ट में दाखिल की चार्जशीट

चार्जशीट में बीएमसी और होर्डिंग कंपनी में मिलीभगत का खुलासा

अमित बृज | मुंबई

मुंबई होर्डिंग हादसे को लेकर SIT ने सोमवार (14 जुलाई) को 3,299 पन्नों की चार्जशीट मुंबई की कोर्ट में पेश की है। इसमें कहा गया है कि 250 टन वजनी होर्डिंग रेलवे की जमीन पर लगा था। होर्डिंग लगाने से पहले JCB ऑपरेटर ने होर्डिंग लगाने वाली कंपनी को बताया था कि मिट्टी नर्म है। यहां होर्डिंग लगाना ठीक नहीं है। इसके बावजूद जनवरी 2023 में होर्डिंग लगा और 16 महीने बाद गिर गया। इसमें 17 लोगों की मौत हो गई और 74 लोग घायल हो गए। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि रेलवे के अधिकारी, ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी और BMC के अधिकारी मिले हुए थे।

केस डायरी

इस साल 13 मई को घाटकोपर पूर्व में तूफान की वजह से एक विज्ञापन होर्डिंग गिर गया था। इस हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई थी। जबकि 84 अन्य घायल हो गए थे। इस होर्डिंग को जीआरपी की जमीन पर अवैध रूप से लगाया गया था।

चार्जशीट के 3 मुख्य पॉइंट

- चार्जशीट के अनुसार, जब होर्डिंग लगाने का काम किया जा रहा था तब ही वहां एक पेड़ गिरा था। इस घटना से मशीन ऑपरेटर को मिट्टी के नर्म होने का पता चला था। उसने मिट्टी की पूरी तरह से जांच कराने की सिफारिश कंपनी से की थी, लेकिन इस जांच में 15 दिन का समय लग सकता था। ईगो मीडिया के डायरेक्टर और मुख्य आरोपी भावेश भिंडे 15 दिन का इंतजार नहीं करना चाहते थे।
- उन्होंने इसे नजरअंदाज किया और मिट्टी की जांच किए बिना ही होर्डिंग लगवा दिया। SIT के अनुसार यह लापरवाही होर्डिंग गिरने के मुख्य कारण में से एक है। खुदाई करने वाला ऑपरेटर पुलिस चार्जशीट में शामिल 100 से अधिक गवाहों में से एक है।
- चार्जशीट में कहा गया है कि होर्डिंग का अधिकतम साइज 40 फीट x 40 फीट होता है, लेकिन इस होर्डिंग का साइज तीन गुना ज्यादा था। इतने बड़े होर्डिंग कि वजह से इसे लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी दर्ज किया गया था।

शरद पवार की शरण में छगन भुजबल

आरक्षण पर मराठा-ओबीसी टकराव खत्म करवाने के लिए शरद पवार से मिले छगन भुजबल

शरद पवार के घर करीब दो घंटा रहे छगन भुजबल

दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र में आरक्षण को लेकर मराठा और ओबीसी समाज के बीच चल रहे टकराव को खत्म कराने के लिए महाराष्ट्र सरकार के मंत्री एवं राज्य के प्रमुख ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के नेता छगन भुजबल अचानक शरद पवार से मिलने उनके घर जा पहुंचे। मुलाकात के दौरान पवार ने उन्हें आश्वासन दिया है कि वह इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से चर्चा करेंगे।

सुबह-सुबह पवार के घर पहुंचे

राज्य में मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे मनोज जरांगे पाटिल की मांग है कि संपूर्ण मराठा समाज को कुनबी (खेतिहर मराठा) का प्रमाण पत्र देकर उन्हें ओबीसी कोटे के तहत ही आरक्षण दिया जाए, जबकि ओबीसी समाज उन्हें अपने कोटे में समाहित करने को तैयार नहीं है। इसे लेकर दोनों समाजों में टकराव बढ़ता जा रहा है। आज इसी समस्या को लेकर छगन भुजबल अचानक सुबह-सुबह शरद पवार के घर जा पहुंचे। वहां वह करीब दो घंटा रहे।

डेढ़ घंटा तक किया इंतजार : भुजबल

पवार से घर से लौटने के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह बिना समय लिए ही शरद पवार से मिलने गए थे। उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है। जब मैं पहुंचा, तो वह सो रहे थे। मैंने करीब डेढ़ घंटा इंतजार किया। जागने के बाद उन्होंने मुझे अपने शयनकक्ष में ही बुलाया, और पूछा कि कैसे आना हुआ?

जगह-जगह से आ रही मारपीट की खबरें

भुजबल के अनुसार तब उन्होंने शरद पवार को बताया कि राज्य में मराठा-ओबीसी के बीच आरक्षण को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों समाज के लोग एक-दूसरे का बहिष्कार करने लगे हैं। जगह-जगह से मारपीट की खबरें आ रही हैं। यदि यही स्थिति रही तो पूरे राज्य में आग लगते देर नहीं लगेगी। तब संभालना और मुश्किल हो जाएगा।

भुजबल ने पवार से की ये अपील

भुजबल ने पवार से कहा कि आप इस राज्य के सबसे बुजुर्ग और वरिष्ठ नेता हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट आने के बाद आपने ही ओबीसी को आरक्षण देने का काम किया था। अब आपको ही मराठा-ओबीसी के बीच बढ़ रहे टकराव को भी खत्म करने की पहल करनी चाहिए।

रैली में पवार पर बोला था हमला

रविवार को बारामती में हुई अपनी पार्टी की एक रैली में छगन भुजबल ने यह कहते हुए शरद पवार पर निशाना साधा था कि दो दिन पहले आरक्षण पर विचार के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी विपक्षी नेता आने को तैयार थे, लेकिन शाम पांच बचे बारामती से एक फोन आने के बाद पूरे विपक्ष ने बैठक का बहिष्कार कर दिया था, लेकिन आज भुजबल उन्हीं शरद पवार के पास आरक्षण विवाद का हल खोजने की अपील करने जा पहुंचे। मालूम हो कि मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल बार-बार छगन भुजबल पर मराठा समाज को ओबीसी कोटे में आरक्षण देने में अड़चन पैदा करने का आरोप लगा रहे हैं।

तबियत ठीक होने पर...

भुजबल की बात सुनने के बाद पवार ने कहा कि मुझे नहीं पता कि अब तक किसकी किससे क्या बात हुई है। तब भुजबल ने कहा कि आप तैयार हों, तो सभी दलों के नेताओं को एक साथ बुलाया जा सकता है। आप सबसे बात करके कोई रास्ता निकालिए। तब पवार ने उन्हें आश्वासन दिया कि तबियत ठीक होने पर वह स्वयं मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से बात करेंगे।

पवार से अचानक क्यों मिले भुजबल?

भुजबल ने कहा कि वह शरद पवार से मिलने किसी किसी पार्टी, राज्य के मंत्री या विधायक की हैसियत से नहीं गए थे। वह इस समस्या का हल चाहते हैं, इसलिए वह उनसे मिलने गए थे। इस उद्देश्य के लिए वह किसी से भी मिलने जा सकते हैं। भुजबल ने कहा कि हमें संतोष होगा कि मैंने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया।

भगवान के भंडार से सोने की चोरी

केदारनाथ में हुआ सोने का घोटाला

मुनीब चौरसिया/मुंबई। दिल्ली में केदारनाथ मंदिर की आधारशिला रखने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने राजधानी में केदारनाथ मंदिर बनाने पर कड़ा विरोध जताया। उन्होंने केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह के अंदर सोने का लेप लगाने के काम में घोटाले का आरोप भी लगाया है। शंकराचार्य ने कहा कि केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब है.. इसका हिसाब कौन देगा?

शंकराचार्य के गंभीर आरोप

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा, 'केदारनाथ में सोने का घोटाला हुआ है, उस मुद्दे को क्यों नहीं उठाया गया? वहां घोटाला करने के बाद अब दिल्ली में केदारनाथ बनाया जाएगा? और फिर एक और घोटाला होगा.'

सोने की जगह पीतल लगाया गया।।

पिछले साल केदारनाथ मंदिर के एक वरिष्ठ पुजारी ने केदारनाथ मंदिर में सोने की परत चढ़ाने के काम में 125 करोड़ रुपये तक के घोटाले का आरोप लगाया था। उनका दावा था कि सोने की जगह पीतल का लेपन किया गया था, हालांकि मंदिर समिति ने इस आरोप को खारिज कर दिया था।

228 किलो सोना गायब..

शंकराचार्य ने कहा, 'केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब है.. कोई जांच शुरू नहीं हुई। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अब वो कह रहे हैं कि दिल्ली में केदारनाथ बनाएंगे, ये नहीं हो सकता।

प्रतिबंधित PFI से जुड़े दो आरोपियों को हाईकोर्ट से मिली डिफॉल्ट बेल

मुंबई। हाईकोर्ट से सोमवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े दो आरोपियों को डिफॉल्ट जमानत मिल गई। विशेष एनआईए अदालत ने उनकी डिफाल्ट जमानत की याचिका खारिज कर दी थी। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने 22 सितंबर 2022 को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते ढेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की पीठ के समक्ष मोमिन मोइउद्दीन गुलाम हसन उर्फ मोइन मिस्त्री और आसिफ अमीनुल हुसैन खान अधिकारी की ओर से वकील हसनैन काजी और वकील श्रद्धा वाव्हल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं के वकील हसनैन काजी ने दलील दिया कि एटीएस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के 90 दिनों के बाद आरोप पत्र दाखिल करने के लिए पहला विस्तार मांगा था। उन्होंने विस्तार के लिए जब्त गैजेट से डेटा प्राप्त करने और नामित प्राधिकारी से अभियोजन स्वीकृति प्राप्त करने का हवाला दिया था।

गवली को मिली सजा में छूट के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

- मकोका के तहत ठहराया गया था दोषी
- आजीवन कारावास की सुनाई गई थी सजा
- मकोका के प्रविधानों के तहत ठहराया गया था दोषी

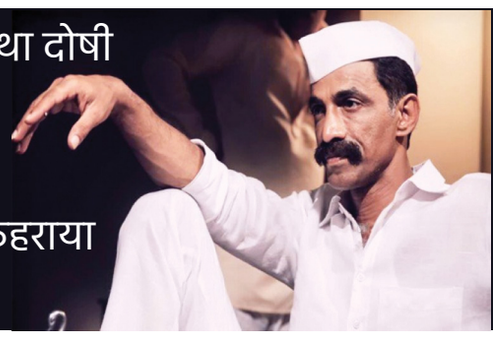

नितिन तोरस्कर | मुंबई/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे गैंगस्टर से राजनेता बने अरुण गवली को दी गई छूट को चुनौती देने वाली महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर विचार करना चाहेगा।

पीठ ने क्या कहा?

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राजा ठाकरे से कहा कि अब गवली की उम्र 71 से 72 साल है। वह अब पुराना अरुण गवली नहीं हैं। आपको उनके द्वारा किए गए अपराध के पैमाने की संभावनाओं के बारे में हमें संतुष्ट करना होगा।

अपराध की गंभीरता को रखा जाना चाहिए ध्यान : ठाकरे

ठाकरे ने कहा कि गवली विधायक थे, उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के प्रविधानों के तहत दोषी ठहराया गया था। कहा कि उन्होंने जो अपराध किए हैं, वे व्यक्तियों के खिलाफ नहीं, बल्कि समाज के खिलाफ हैं। छूट का कानून बहुत स्पष्ट है कि अपराध की गंभीरता को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

गवली के अधिवक्ता ने क्या कहा?

गवली की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता नित्या रामकृष्णन ने कहा कि उनके मुवक्किल राज्य की 2006 की नीति के तहत समय पूर्व रिहाई के हकदार हैं, जिसे विशेष रूप से वृद्ध और शारीरिक रूप से कमजोर कैदियों के लाभ के लिए बनाया गया था। उन्होंने कहा कि चिकित्सा बोर्ड ने भी प्रमाणित किया है कि गवली अपनी वृद्धावस्था के कारण अशक्त हैं।

छात्र को नहीं मिली राहत

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने एक विज्ञान संस्थान में प्रवेश के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर फार्म जमा करने में विफल रहे एक छात्र को कोई राहत देने से इनकार कर दिया है। न्यायालय ने कहा कि उसे सिर्फ इसलिए प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि उसने अच्छे रैंक हासिल किए हैं। जस्टिस ए एस चंदुरकर और राजेश पाटिल की खंडपीठ ने 10 जुलाई को अपने आदेश में यह भी कहा कि केवल सहानुभूति के आधार पर राहत नहीं दी जा सकती। पीठ ने कहा कि ऐसी कोई भी राहत अन्य छात्रों के साथ अन्याय होगी।

कैंसर का नया सार्वजनिक अस्पताल

ठेका अवंटित, तीन साल में होगा तैयार

धीरज सिंह | मुंबई

किफायती या मुफ्त कैंसर इलाज चाहने वाले हजारों मरीजों के लिए एक राहतभरी खबर है। मुंबई मनपा ने बांद्रा में अपने प्रस्तावित कैंसर अस्पताल को मूर्त रूप देने के लिए कदम बढ़ाया है। इस कैंसर अस्पताल के निर्माण के लिए मनपा ने ठेकेदार का चयन कर लिया है। 165 बेड क्षमता वाले इस अस्पताल के निर्माण के लिए मनपा 213 करोड़ रुपए खर्च करेगी। इस अस्पताल का निर्माण तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है। कैंसर रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वर्तमान में मुंबई में कैंसर उपचार का मुख्य भार परेल और खारघर में बने टाटा मेमोरियल सेंटर पर है। जबकि मनपा द्वारा संचालित नायर अस्पताल में रेडियोथेरेपी सुविधा दी जाती है। इसके अलावा महिलाओं के गर्भाशय और ब्रेस्ट कैंसर के इलाज के लिए कामा अस्पताल उपलब्ध है। ऐसे में कैंसर मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मुंबई भाजपा अध्यक्ष व विधायक एडवोकेट आशीष शेलार ने बांद्रा में भाभा अस्पताल के सामने वाले भूखंड पर एक नया कैंसर अस्पताल बनाने की मांग मनपा प्रशासन से की थी। तत्कालीन मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने इसे मंजूरी दी थी। इस मंजूरी के बाद मनपा के वास्तुकारों ने कैंसर अस्पताल बनाने की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार की। इसके बाद अस्पताल इंफ्रास्ट्रक्चर सेल (एचआईसी) ने निर्माण के लिए टेंडर जारी किया था। इस निविदा प्रक्रिया में संयुक्त भागीदारीवाली एनसीपीएल-शेठ नामक कंपनी पात्र पाई गई है।

सब्जी बेचने वाली का बेटा बना सीए

पहला तोहफा देख रो पड़ी मां

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

महाराष्ट्र के डोंबिवली में एक महिला सब्जी विक्रेता ने अपने बेटे को पढ़ा लिखाकर सीए बनाया। सीए बनने के बाद मां के गले लगने और मां की आंखों से निकले खुशी के आंसुओं का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद योगेश को बधाइयों का तांता लग गया है और जहां योगेश की मां सब्जी बेचती हैं वहां भी बड़ी संख्या में नागरिक उन्हें बधाई देने के लिए उमड़ रहे हैं। इस संबंध में सार्वजनिक मंत्री रवींद्र चव्हाण ने एक वीडियो भी ट्वीट किया है और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने भी इस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है।

सब्जी बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करती है मां

योगेश ठोंबरे डोंबिवली के पास खोनी गांव में अपनी मां नीरा ठोंबरे के साथ रहता हैं। मां डोंबिवली के गांधीनगर इलाके में सब्जी बेचकर अपने परिवार का पालन पोषण करती है। वो पिछले 25 साल से यहीं पर सब्जियां बेच रही हैं, उनके पास सब्जी का व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे भी नहीं थे, उस समय उन्होंने दो सौ रुपये उधार लेकर व्यवसाय शुरू किया था। योगेश ने आज कड़ी मेहनत करके परीक्षा पास की है।

कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी

दृढ़ निश्चय, मेहनत और कुछ कर गुजरने के जज्बे के दम पर योगेश ने भी अपनी मां की मेहनत को सार्थक कर दिखाया है। योगेश ने सोमवार को सीए बनने के बाद पहले तोहफे के तौर पर अपनी मां को साड़ी गिफ्ट की है। यह सब दृश्य देखकर आसपास के नागरिकों की भी आंखें नम हो गईं। यह सुनकर कि योगेश ने सीए की परीक्षा पास कर ली है, मां नीरा की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। घर की स्थिति विकट होने पर भी नीरा ने अपने परिवार और घर की देखभाल करते हुए अकेले ही सब्जी का व्यवसाय किया। पति की मृत्यु के बाद पूरे परिवार की ज़िम्मेदारी उन पर थी, लेकिन उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी।

क्या कहा योगेश ने ?

योगेश ने कहा कि मैंने सीए बनने का फैसला लिया था। उसी के अनुरूप योजना बनाई और पढ़ाई की। मैं रिजल्ट का इंतजार कर रहा था लेकिन रिजल्ट आया तो मेरी खुशी सातवें आसमान पर पहुंच गई। जब मैं यह सुखद खबर अपनी मां को बताने गया तो वह हमेशा की तरह सब्जियां बेच रही थीं, उन्होंने मुझे गले लगा लिया और यह सुनहरा पल मेरे दोस्तों ने मोबाइल में कैद कर लिया। मुझे नहीं पता था कि ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लेकिन लोगो के फ़ोन आना शुरू हो गए। कई बड़े नेताओं ने ट्वीट किया उसके बाद मुझे समझ आया कि मैंने मां के सहयोग से कुछ बड़ा हासिल किया है।
मराठी माध्यम से पढ़ाई करने वाला आगरी समुदाय का एक लड़का आज अंग्रेजी के बिना सीए बन गया, योगेश और उनकी मां ने समाज के सामने एक अलग रोल मॉडल तैयार किया है और सब्जी की दुकान पर मां नीरा ठोंबरे और योगेश ठोंबरे को लोग बधाईया देने के लिए बड़ी संख्या मे आ रहे है।

उल्हासनगर और अंबरनाथ शिवसेना कार्यकारिणी पक्ष प्रमुख सहित बर्खास्त

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर अंबरनाथ शिवसेना प्रमुख सहित सभी लोगों को सोमवार के दिन बर्खास्त कर दिया गया है। शिवसेना कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने अभी की यह कार्यकारिणी बर्खास्त किया है। शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे के आदेश पर यह कार्रवाई की गई है। इस बारे में उल्हासनगर शहर प्रमुख राजेंद्र सिंह भुल्लर महाराज ने कहा कि कार्यकारिणी को बर्खास्त रूटिंग के तौर पर किया गया है, इससे चुनाव का कोई लेना-देना नहीं है आज तक उल्हासनगर के इतिहास में 55000 की लीड किसी को नहीं मिली थी। इस बार उल्हासनगर विधानसभा 141 से डॉक्टर श्रीकांत शिंदे को 55000 की लीड मिली है, यह पार्टी के लिए बहुत ही अच्छी बात है। मेरे पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने पार्टी के लिए बहुत ही मेहनत से काम किया है। अभी जो उल्हासनगर शिवसेना पार्टी में पद दिए जाएंगे उसके लिए इंटरव्यू होगा, उसके बाद पद का निर्णय होगा।

सबूतों के अभाव में किया आरोपी हुआ बरी

- गवाह आरोपियों की पहचान करने में नाकाम रहे- कोर्ट
- साल 2016 में चार लोगों पर लगा था 'मकोका'

दोपहर संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे की एक कोर्ट ने 2016 में हुई डकैती के एक केस में मकोका के तहत गिरफ्तार किए गए चार लोगों को बरी कर दिया। कोर्ट ने चारों के खिलाफ सबूतों के अभाव में उन्हें संदेह का लाभ दिया। स्पेशल मकोका कोर्ट के जज अमित एम शेटे ने 11 जुलाई को दिए अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ कोई भी आरोप सिद्ध नहीं कर सका।

अभियोजक कोर्ट को केस की जानकारी दी

विशेष लोक अभियोजक संजय मोरे ने कोर्ट को केस की जानकारी देते हुए बताया कि 16 जून 2016 को पांच अज्ञात लोग लाठी और चाकू लेकर पालघर के वाडा स्थित एक दुकानदार के घर में बाथरूम की जाली खोलकर घुस गए। आरोपियों ने घर से 1.50 लाख रुपये नकद, मोबाइल, सोने के आभूषण सहित कीमती सामान लूट लिया।उन्होंने वहां से भागने से पहले दुकानदार की पत्नी पर लाठी से हमला भी किया।

पुलिस अधिकारी ने आरोपियों के खिलाफ मकोका लगाया

कोर्ट में आगे बताया कि जांच के दौरान पुलिस को कुछ आरोपियों के खिलाफ पहले भी दर्ज आपराधिक मामलों का पता चला। इसलिए, अधिकारी ने आरोपियों के खिलाफ मकोका लगाया।

बचाव पक्ष के वकील आरोपों का विरोध किया

वहीं, बचाव पक्ष के वकील पूनित माहिमकर ने मामले का विरोध करते हुए आरोपों का विरोध किया। माहिमकर ने अभियोजन पक्ष के विरोध में कई दलीलें दीं। इसपर जज ने अपने आदेश में कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद पूरे सबूत को देखने के बाद कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं जो अभियोजन पक्ष के खिलाफ हैं। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष के गवाह आरोपियों की पहचान करने में नाकाम रहे।

21 नवजात शिशुओं की मृत्यु को लेकर ठाणे युवक कांग्रेस ने अस्पताल के सामने किया आंदोलन

दोपहर संवाददाता । ठाणे

मनपा क्षेत्र के अंतर्गत कलवा परिसर में स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल किसी न किसी घटना को लेकर सुर्खियों में रहता है। पिछले साल भी अस्पताल में 17 से 18 लोग अस्पताल में उपचार के दौरान मरने के कारण हड़कंप मच गया था।वहीं अस्पताल में महीने भर में 21 नवजात शिशुओं का उपचार के दौरान मृत्यु हो गई।इस विषय को लेकर आज अस्पताल के सामने ठाणे युवक कांग्रेस के अध्यक्ष आशीष गिरी ने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ में अस्पताल प्रशासन व राज्य सरकार के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। युवक अध्यक्ष गिरी ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अधिकारी व राजनेताओं के कमीशन के कारण आये दिन सामान्य लोगों की मौत हो रही है।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कहते हैं मैं सामान्य जनता का मुख्यमंत्री हु।

'मंडलनामा' का विमोचन

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

ऑल इंडिया मुस्लिम ओबीसी आर्जिनेजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शब्बीर अहमद अंसारी के जीवन पर आधारित मराठी में दिलीप वाघमारे द्वारा लिखित पुस्तक जिस का उर्दू भाषा में अनुवाद मलिक अकबर ने किया है ₹मंडल नामा₹ का विमोचन अंसारी साफिया गर्ल्स हाई स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शुजाउद्दीन निजामुद्दीन अंसारी ने की जबकि कार्यक्रम की शुरुआत हाफिज जमील अंसारी की तिलावत कुरान-ए-पाक से हुई।

टोरेंट पावर के माध्यम से बच्चों को विद्युत सुरक्षा और ऊर्जा संरक्षण के प्रति किया गया जागरूक

दोपहर संवाददाता । भिवंडी

टोरेंट पावर ने 10/07/2024 को बी।बी। पाटिल इंग्लिश हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज, कुरुंद गाव, पडघा में ₹विद्युत सुरक्षा और ऊर्जा संरक्षण₹ पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया । इस जागरूकता सत्र में शिक्षकों और स्कूल प्रिंसिपल के साथ लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया। स्कूल में इन सत्रों को आयोजित करने का टोरेंट पावर का उद्देश्य जीवन के प्रारंभिक चरण में बच्चों में विद्युत सुरक्षा की आदतें विकसित करना है। छात्रों के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए, सत्र के दौरान एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई और विजेताओं को सम्मानित किया गया। टोरेंट ने प्रत्येक छात्र को मराठी में एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए सांप-सीढ़ी का शैक्षिक खेल वितरित किया। यह अनूठा खेल

उनके दिन-प्रतिदिन के जीवन में लागू होने वाले सुरक्षा उपायों को रचनात्मक रूप से समझाने में मदद करता है। इस सत्र में छात्रों और स्कूल प्राधिकारियों दोनों में भारी उत्साह देखने को मिला। बी।बी। पाटिल इंग्लिश हाई स्कूल और जूनियर कॉलेज ने विद्युत सुरक्षा और ऊर्जा संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के अभिनव दृष्टिकोण के लिए टोरेंट पावर लिमिटेड की सराहना की।

10वीं व 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों का सत्कार समारोह

दोपहर संवाददाता । ठाणे

हर साल की तरह इस साल भी विधायक प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक के नेतृत्व में 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों का सत्कार मनपा के स्व।काशीनाथ घाणेकर हाल में किया गया। प्रख्यात मानस वाचक भूपेश दवे ने विद्यार्थियों के विकास के लिए अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को अतिथियों के हाथों से उपहार, प्रमाण पत्र, ट्राफी देकर सम्मानित किया गया।
विधायक प्रताप सरनाईक ने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुए प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के लिए कहा। सामान्य परिवार के विद्यार्थियों

के कैरियर व मार्गदर्शन मिलना चाहिए। यह बात युवा सेना के कार्यकारी अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक ने कहा और विद्यार्थियों के मनोबल बढ़ाने के लिए शिविर व कार्यक्रम का आयोजन हमेशा किया जायेगा। लकी ड्रा के माध्यम से आकर्षक शैक्षणिक पुरस्कार वितरण किया गया।कार्यक्रम समापन होने के बाद विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास देखने को मिला। इस कार्यक्रम में ओवला-माजीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के डेढ़ हजार से अधिक विद्यार्थी, शिक्षक,अभिभावकों ने हिस्सा लिया।

सांसद सुरेश म्हात्रे ने कल्याण रेलवे स्टेशन का किया निरीक्षण

दोपहर संवाददाता । कल्याण

भिवंडी लोकसभा सांसद सुरेश म्हात्रे ने कल्याण रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सांसद म्हात्रे ने रेलवे यात्री संघ के पदाधिकारियों, नागरिकों से चर्चा की और यात्रियों को होने वाली समस्याओं से रेलवे अधिकारियों को अवगत कराया। कल्याण रेलवे स्टेशन पर शौचालयों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ स्काई वॉक पर भी स्वच्छता बनाए रखने को कहा गया। इस अवसर पर सांसद म्हात्रे ने रेलवे अधिकारियों सहित केडीएमसी प्रशासन से महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले और यात्रियों को परेशान करने वाले अनधिकृत अतिक्रमण करने वाले फेरीवालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की और रेलवे यात्री संघ और यात्री कई वर्षों से इन समस्याओं के बारे में शिकायत कर रहे हैं , लेकिन चूंकि समस्या अभी तक हल नहीं हुई है, म्हात्रे ने अधिकारियों को फटकार लगाई।

स्काई वॉक पर कब्जा करने वाले फेरीवाले पर कार्रवाई की मांग

स्टेशन पर स्काई वॉक पर कब्जा करने वाले फेरीवाले पर कार्रवाई होनी चाहिए, हम एक बार, दो बार, तीन बार गुहार लगाएंगे, फिर भी अगर अधिकारी नहीं सुनता तो अधिकारी उस जगह से दूसरी जगह चले जाए अन्यथा चौथी बार जो करना है वो आमने-सामने करेंगे। सांसद सुरेश म्हात्रे ने केडीएमसी और रेलवे अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने आज कल्याण रेलवे स्टेशन की समस्याओं का जायजा लिया और यात्री संगठनों से चर्चा की। इस मौके पर सांसद म्हात्रे ने रेलवे अधिकारियों को जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल को चुनौती

भिवंडी लोकसभा चुनाव में हार के बाद भिवंडी लोकसभा क्षेत्र में पूर्व केंद्रीय मंत्री के विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा पर बात करते हुए वर्तमान सांसद सुरेश म्हात्रे ने सीधे पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल को चुनौती दी है। इस समय बोलते हुए सांसद म्हात्रे ने कहा कि मैंने लोकसभा में भी चुनौती दी थी और अब भी दी है। लोग कपिल पाटिल को साफ तौर पर नकार चुके है। उन्होंने पूछा कि जब कपिल पाटिल सत्ता में थे तो उन्होंने क्या किया ? कपिल पाटिल कल्याण, मुरबाड कही भी खड़े होकर दिखाए, फिर से लोग सिर के भल गिराएंगे।

19 अगस्त को ठाणे मनपा की लोक अदालत

दोपहर संवाददाता । ठाणे

तहसील -स्तरीय लोकतंत्र दिवस की तर्ज पर, अब ठाणे नगर निगम ने भी नागरिकों की व्यक्तिगत शिकायतों के तत्काल हल करने के लिए हर महीने के तीसरे सोमवार को एक सर्कल-स्तरीय लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया है। ठाणे मनपा ने आज आव्हान किया है कि इस तारतम्य में 19 अगस्त, 2024 को सर्कुलेशन लोकतंत्र दिवस होगा। ठाणे नगर निगम की ओर से नागरिकों से इस लोकतंत्र दिवस के लिए 15 दिन पहले यानी 5 अगस्त से पहले अपना बयान जमा करने का अनुरोध किया गया है।अथवा इसके पूर्व आवेदन के संबंध में फोन किया जा सकता है।

रायगढ़ और रत्नागिरी में भारी बारिश से कई नदियां उफान पर

दोपहर संवाददाता । रायगढ़

महाराष्ट्र के रायगढ़ और रत्नागिरी जिले में भारी बारिश से कई नदियां उफान पर हैं और खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। चिपलुन, संगमेश्वर आदि शहरों में बारिश का पानी घुस गया है। रायगढ़ और रत्नागिरी में एनडीआरएफ की टीमें तैनात कर दी गई है और नदियों के तटीय इलाकों में बसे लोगों से सुरक्षित स्थानों की अपील की जा रही है। रत्नागिरी जिले के संगमेश्वर में गाद नदी में बाढ़ आ गई है और बाढ़ का पानी संगमेश्वर के बाजार में चला गया है। लगातार हो रही बारिश से संगमेश्वर तहसील, कोंड, अंबेड-डिंगनी-करजुवे, धामनी, कसबा आदि इलाकों में पानी भर गया है। इसलिए इन इलाकों के

एनडीआरएफ की टीम तैनात

बीच यातायात बंद कर दिया गया है। लोगों को सतर्क कर दिया गया है। रत्नागिरी के खेड़-दिवानखावटी में नदी में बाढ़ आ गई है और सात गांवों का संपर्क टूट गया है। गणेशवाड़ी में सात वाडियों का संपर्क काट दिया गया है। भारी बारिश के कारण ग्रामीण इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। यहां राजस्व और पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। रायगढ़ जिले में शनिवार रात से लगातार हो रही भारी बारिश से जिले में कुंडलिका, पातालगंगा और अंबा नदियां खतरे के निशान को पार कर गई हैं और प्रशासन ने रोहा, नागोथने, खालापुर, खोपोली और अप्टा क्षेत्रों के नागरिकों को सतर्क रहने की चेतावनी दी है।
रोहा शहर में कुंडलिका नदी पर बना छोटा पुल यातायात के लिए पूरी तरह से बंद कर दिया गया है क्योंकि इसके ऊपर से पानी बहने लगा है। रायगढ़ जिले के महाड और पोलादपुर में भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। जिले की सावित्री नदी उफान पर है और अगर अगले कुछ घंटों तक बारिश जारी रही तो नदी में बाढ़ आ जाएगी। इसके चलते आसपास के गांवों में सतर्कता की चेतावनी दी गई है। एनडीआरएफ की टीम भी सावित्री नदी के जलस्तर पर नजर रखे हुए है।

भूस्खलन से नागरिकों में दहशत, कोई हताहत नहीं

दोपहर संवाददाता । कल्याण

नेतिवली पहाड़ी पहाड़ी के पास रहने वाले लोगों को नोटिस जारी

कल्याण में सोमवार दोपहर में नेतिवली पहाड़ी में भूस्खलन होने से पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया। इससे इलाके में दहशत फैल गई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन कल्याण-डोंबिवली नगर निगम ने इस इलाके के छह परिवारों को अस्थायी रूप से एक नगरपालिका स्कूल में स्थानांतरित कर दिया है। साथ ही इस क्षेत्र के 140 नागरिकों को अन्यत्र स्थलांतरित होने के लिए नोटिस जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह से कल्याण में बारिश हो रही है। इसी वजह से सोमवार दोपहर कल्याण के नेतिवली पहाड़ी में भूस्खलन हो गया और बड़ा पत्थर पहाड़ी पर बसे झोपड़ों की ओर तेजी से बढने लगा। लेकिन गनीमत यह रही कि आधे रास्ते में आकर पत्थर किसी अवरोध के चलते एक घर के सामने रुक गया, इसलिए इस हादसे में कोई जनहानि या आर्थिक नुकसान नहीं हुआ। इस घटना की जानकारी मिलते ही कल्याण डोंबिवली नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और अति खतरनाक स्थिति में रहने वाले छह परिवारों को तत्काल स्थलांतरित किया है। कल्याण डोंबिवली नगर निगम के क्षेत्रीय अधिकारी सविता हिले ने बताया कि अत्यंत खतरनाक स्थिति में रहने वाले छह परिवारों को पास के नगरपालिका स्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि पहाड़ी के पास रहने वाले लोगों को नोटिस जारी किया गया है। हालांकि इस इलाके मेंअपनी जान जोखिम में डाल कर रहने वाले परिवारों में भय का माहौल व्याप्त है।

दो बजे
दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

कोंकण रेलवे मार्ग पर भूस्खलन

15 घंटे तक फंसे रहे सभी रेल यात्री ■ बसों की कराई गई व्यवस्था

मुंबई। भारी बारिश के बाद हुए भूस्खलन के कारण रविवार शाम को कोंकण रेलवे मार्ग पर सेवाएं पूरी तरह ठप्प हो गईं। भूस्खलन के कारण मार्ग पर रुकी ट्रेनों में 15 घंटे से अधिक समय से सभी यात्री फंसे रहे। हालांकि, कोंकण रेलवे ने सोमवार को सभी यात्रियों के लिए राज्य परिवहन बसों की व्यवस्था की। कोंकण रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि रविवार शाम महाराष्ट्र के रायगढ़ और रत्नागिरी जिलों में विन्हेरे और दीवान खावती स्टेशनों के बीच भूस्खलन आया। इसके लगभग 22 घंटे बाद पटरियों को साफ करने के प्रयास जारी हैं। रविवार को दोनों जिलों में भारी बारिश के बीच भूस्खलन के कारण इस मार्ग पर रेल सेवाएं ठप हो गईं। कोंकण रेलवे मार्ग महाराष्ट्र के रोहा और केरल के थोकुर के बीच फैला हुआ है। उन्होंने कहा, 'भारी बारिश और पटरियों पर कीचड़ आने के कारण बहाली प्रक्रिया में अधिक समय लग रहा है।' अधिकारी ने बताया कि कुछ ट्रेनों को रत्नागिरी में ही रोक दिया गया और फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बसों को लगाया गया। कोंकण रेलवे ने रविवार शाम से कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है और उनकी यात्रा को बीच में ही रोक दिया है।

अनमोल विचार मनुष्य का मन ही सभी चीज़ों का माप है : सर जोशुआ

उद्धव के साथ हुआ विश्वासघात: शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

मुंबई। महाराष्ट्र की सियासत पर ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने बड़ा बयान दिया है। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती सोमवार को शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुंबई स्थित मातोश्री में पहुंचे। पूर्व सीएम से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है। वे उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री के पद पर बैठे देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसका हिंदुत्व असली है? यह जानने के लिए जिसके साथ विश्वासघात हुआ है, वह असली हिंदू है। जिसने विश्वासघात किया है, वह असली हिंदू नहीं है। हमें उनके साथ हुए विश्वासघात पर दुख है। शंकराचार्य ने कहा कि हम हिंदू धर्म का पालन करते हैं। हम 'पुण्य' और 'पाप' में विश्वास करते हैं। 'विश्वासघात' को सबसे बड़े पापों में से एक कहा जाता है, वही उद्धव ठाकरे के साथ हुआ है। उन्होंने मुझे बुलाया, मैं आया। उन्होंने स्वागत किया। हमने कहा कि हमें उनके साथ हुए विश्वासघात पर दुख है।

'महाराष्ट्र की जनता पीड़ित'

उन्होंने कहा कि पूरे महाराष्ट्र की जनता इस बात से पीड़ित है। सभी के मन में इस बात का दर्द है। चुनाव में इस बात का पता भी चल चुका है। उन्होंने जब तक फिर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आप विराजमान नहीं हो जाते हैं, तब हम लोगों के मन का जो दर्द है, वो दूर नहीं हो सकता है। अब तो ये बात प्रमाणित हो चुकी है कि महाराष्ट्र की जनता इस बात को मानती है कि उद्धव ठाकरे के साथ विश्वासघात हुआ है।

'जनता का अनादर करना ठीक नहीं'

सरस्वती ने कहा कि जनता का अनादर करना ठीक नहीं है। जनता जिसके लिए बहुमत देती है, उसे उसके समय तक के लिए बनाए रखना चाहिए। बीच में सरकार को तोड़ देना और जनमत का अनादर करना अच्छी बात नहीं है। हमें राजनीति से लेना-देना नहीं है, लेकिन विश्वासघात को पाप बताया गया है। इस बारे में कौन बोलेगा? क्या राजनेता बोलेगा?

अब विशालगढ़ 'अतिक्रमण' से त्रस्त शिवाजी की धरोहरें

दरगाह और मस्जिद के अलावा अवैध निर्माण भी शामिल ■ विशालगढ़ के आसपास देखी जा रही है एक बड़ी मुस्लिम आबादी

दरगाह, मस्जिद और काफी दूर में हुआ अवैध निर्माण शामिल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

रविवार को कोल्हापुर स्थित विशालगढ़ किले पर हुए पथराव ने वहां हुए अतिक्रमण की कहानी लोगों के सामने ला दी है। यही स्थिति उस प्रतापगढ़ किले के आसपास भी देखी जा सकती है, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज ने बीजापुर के आदिलशाही वंश के सेनापति अफजलखान का अपने बाघनख से वध किया था। विशालगढ़ किले का इतिहास भी आदिलशाही सल्तनत से छत्रपति शिवाजी महाराज के टकराव से ही जुड़ता है। ठीक 364 वर्ष पहले शिवाजी महाराज आदिलशाही सेना के सेना पति सिद्धी मसूद के जाल से बचकर इसी विशालगढ़ किले में पहुंचे थे। उन्हें वहां पहुंचाने के लिए दो मराठा योद्धाओं बाजी प्रभु एवं फुलजी प्रभु ने लड़ते-लड़ते अपनी जान दे दी थी। आदिलशाही सेना के साथ हुई उनकी लड़ाई को 'पावनखिंड की लड़ाई' के नाम से जाना जाता है।

विशालगढ़ के आसपास एक बड़ी मुस्लिम आबादी

अब उसी विशालगढ़ के आसपास एक बड़ी मुस्लिम आबादी नजर आती है। वहां हजरत सैयद मलिक रेहान मीर साहब की दरगाह के अलावा एक मस्जिद और काफी दूर में हुआ अवैध निर्माण भी शामिल है। आसपास रहनेवालों का कहना है कि वहां बड़े पैमाने पर मवेशियों के वध एवं मांस का कारोबार होता है। 364 वर्ष पहले शिवाजी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करनेवाले दो मराठा योद्धाओं बाजी प्रभु एवं फुलजी प्रभू के बलिदान को याद करने के लिए रविवार को कुछ हिंदू संगठन विशालगढ़ पहुंचे थे। उन्होंने वहां हो रहे अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्रदर्शन करने का फैसला किया, तो दूसरे समुदाय के लोग भी आ गए और दोनों तरफ से पथराव होने लगा।

विशालगढ़ किले के पास मंदिरों की संख्या हुई कम

पथराव की घटना के बाद अपने समर्थकों के साथ विशालगढ़ किले पर पहुंचे छत्रपति शिवाजी महाराज की गद्दी के वंशज छत्रपति संभाजी महाराज ने किले के आसपास लगातार बढ़ते जा रहे अतिक्रमण को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। दूसरी ओर महाराष्ट्र के महान संत तुकाराम महाराज के 11वें वंशज शिरीष मोरे का कहना है कि किले पर अतिक्रमण तो वर्षों से हो रहा था। लेकिन हाल के वर्षों में इसमें काफी बढ़ोतरी हुई है। आसपास के लोगों का कहना है कि पहले विशालगढ़ किले और उसके आसपास कुल 55 प्राचीन मंदिर थे। लेकिन आज 20-25 हिंदू मंदिर ही बचे हैं। वे भी बहुत खराब स्थिति में हैं।

अवैध निर्माण को ढहाने का नोटिस हो चुका है जारी

राज्य पुरातत्व विभाग ने अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को अपने अवैध निर्माण 30 दिनों के अंदर ढहाने का नोटिस दिसंबर 2022 में भेजा था। इस नोटिस के विरुद्ध अल्पसंख्यक समुदाय ने उच्चन्यायालय में अपील की। उनका दावा था कि उनके द्वारा किए गए निर्माण किले को 1999 में संरक्षित स्मारक घोषित किए जाने से पहले के हैं। इसलिए महाराष्ट्र प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्व स्थल अवशेष अधिनियम, 1960 उनपर लागू नहीं होते। उनके तर्कों से सहमति जताते हुए मुंबई उच्च न्यायालय ने फरवरी 2023 में पुरातत्व विभाग के विध्वंस आदेश पर रोक लगा दी थी। तब उच्च न्यायालय ने अयूब कागदी एवं छह अन्य द्वारा दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि विशालगढ़ किले के भीतर छोटे भूखंडों पर जिन लोगों का कब्जा होने का दावा किया जा रहा है, वह निर्माण वहां 30 से 60 वर्ष पुराने हैं। इनमें से एक कब्जे को तो 1983 में नियमित भी किया जा चुका है।

अतिक्रमण का मामला मुंबई उच्च न्यायालय पहुंचा

बता दें कि विशालगढ़ जैसा ही कब्जा सातारा के प्रतापगढ़ किले के आसपास भी अफजलखान की कब्र के चारों ओर कर लिया गया था। अफजलखान की कब्र को पिछले 20-25 वर्षों में धीरे-धीरे मकबरे का रूप दे दिया गया था। वहां आसपास के ग्रामीणों का कहना है कि उक्त अवधि के दौरान ही अफजल की कब्र का सौंदर्यीकरण शुरू हुआ और वहां एस्बेस्टास की चद्दरें तानकर मौलानाओं के लिए कमरे तक बना दिए गए। इन कमरों में रहनेवाले मौलाना प्रतापगढ़ किले की ओर जानेवाले पर्यटकों को 'अफजलखान की वीरता की गाथा' तक सुनाने लगे थे। यहां भी अतिक्रमण का मामला मुंबई उच्च न्यायालय पहुंचा था।

2017 में उच्च न्यायालय ने फिर अतिक्रमण हटाने के दिए आदेश

जिसपर 15 अक्तूबर, 2008 को फैसला सुनाते हुए उच्चन्यायालय ने वन विभाग एवं राजस्व विभाग की भूमि से अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। करीब आठ साल बाद 2017 में उच्चन्यायालय ने फिर अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए। फिर भी उस समय ये अतिक्रमण नहीं हटाया जा सका था। लेकिन 2022 में पुनः एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पुनः सरकार बनते ही गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आदेश पर अफजलखान की कब्र के आसपास हुआ अवैध निर्माण हटा दिया गया था।

'महाविकास आघाडी सरकार के कारण कंपनियों ने छोड़ा महाराष्ट्र'

आशीष शेलार ने संजय राउत पर साधा निशाना

मुंबई। महाराष्ट्र से उद्योगों के बाहर जाने के शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के आरोप पर उनकी आलोचना करते हुए मुंबई भाजपा प्रमुख आशीष शेलार ने सोमवार कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी से संबद्ध मजदूर संघ राज्य में औद्योगिक इकाइयों को तंग कर रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस को शामिल कर बनी महाविकास आघाडी के नेता ने नियमित रूप से एकनाथ शिंदे सरकार पर परियोजनाओं और निवेशों को अन्य राज्यों, विशेष रूप से पड़ोसी गुजरात में जाने से रोकने में सक्षम नहीं होने का आरोप लगाया है।

'मजदूर संघों के दबाव में कंपनियों ने छोड़ा महाराष्ट्र'

इन आरोपों का जवाब देते हुए आशीष शेलार ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा कि एल एंड टी, महिंद्रा, खंबाटा, एएफएल लॉजिस्टिक और पुणे स्थित बजाज ऑटो लिमिटेड जैसी कंपनियां उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी से संबद्ध मजदूर संघों के दबाव के कारण महाराष्ट्र छोड़ कर चली गईं। शेलार ने वेदांता फॉक्सकॉन, कोंकण के बारसू में तेलशोधक परिसर और दहानु के वधावन में विशाल बंदरगाह जैसी परियोजनाओं के विरोध पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस तरह के कदम इस विमर्श के विपरीत हैं कि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास से वंचित हो रहा है।

गोरखपुर एक्सप्रेस में आग लगने से मची अफरातफरी

ठाणे के रेलवे स्टेशन के पास हुआ हादसा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई में बड़ा रेल हादसा होते होते बचा है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सोमवार सुबह महाराष्ट्र के ठाणे जिले में लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस के एक कोच में ब्रेक बाइंडिंग के कारण पहियों के पास आग लग गई।

ब्रेक बाइंडिंग के कारण लगी आग

मध्य रेलवे (सीआर) के प्रवक्ता ने बताया कि सुबह करीब 6 बजकर 30 मिनट एस-8 कोच के ब्रेक बाइंडिंग के कारण गोरखपुर जाने वाली ट्रेन को ठाकुरली स्टेशन (ठाणे जिले में) के पास रोक दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि आग को तुरंत बुझा दिया गया, साथ ही सभी यात्री सुरक्षित हैं।

घबरा गए यात्री

सूत्रों के मुताबिक, पहियों से भारी धुआं निकलता देख कुछ यात्री घबरा गए और उन्होंने तुरंत ट्रेन में मौजूद रेलवे कर्मचारियों को इसकी सूचना दी और रुकते ही बाहर निकलने लगे। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि यह बहुत छोटी आग थी और दो अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करके इसे तुरंत बुझा दिया गया। उन्होंने कहा कि ट्रेन 20 मिनट बाद अपनी आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गई। सूत्रों के अनुसार, इससे पहले ट्रेन अपने प्रारंभिक स्टेशन एलटीटी से 26 मिनट देरी से सुबह 5 बजकर 49 मिनट पर रवाना हुई थी।

ब्रेक बाइंडिंग से ऐसे लगती है आग

बता दें कि ब्रेक बाइंडिंग प्रक्रिया में ट्रेन के ब्रेक पहियों से जाम हो जाते हैं। इससे भारी धुआं निकलता है, जिससे कभी-कभी अधिक गर्मी के कारण आग लग जाती है। ठाकुरली मुंबई में लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से करीब 35 किलोमीटर दूर स्थित है।

जाहीर नोटीस

सभी लोगों को सूचित किया जाता है कि समिधा सुनील यादव घोषणा करती हैं कि मेरे पती कै. सुनील महादेव यादव का दि. ०२/०४/२०२० को निधन हो गया उनकी मृत्यु के बाद कानूनी उत्तराधिकारी के रूप में १) समिधा सुनील यादव-पत्नी, २) शिवानी सुनील यादव -लडकी और ३) ओंकार सुनील यादव - लडका, पता-बि १०२ न्यु ओमकार को-ऑप हौसिंग सोसायटी, महात्मा फुले रोड, ऑक्सफर्ड हायस्कूल समोर, गरीबाचा वाडा डोंबिवली (प), कल्याण, ठाणे, महाराष्ट्र ४२१२०२ हमारे अलावा कोई दूसरा वारिस नहीं है. उक्त जानकारी पीरामल कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा की जानी है। यदि इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया उक्त नोटिस के प्रकाशन की तिथि से १५ दिनों के भीतर सही साक्ष्य के साथ पीरामल कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस बैंक कार्यालय डोंबिवली (ठाणे) से संपर्क करें, अन्यथा इस पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्थानः डोंबिवली
दिनांक : १६/७/२०२४ हस्ताक्षर
समिधा सुनील यादव

फर्जी एयर इंडिया की पायलट बनकर महिला ने की 27 लाख की ठगी

मुंबई। आरसीएफ पुलिस ने 35 वर्षीय महिला को अपने पिता के सहकर्मी से 27 लाख रुपए ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। उसने अपने पिता के सहकर्मी के बेटे को पायलट ट्रेनिंग स्कूल में दाखिला और पायलट की नौकरी दिलाने का वादा किया था। पुलिस ने बताया कि महिला खुद को

एयर इंडिया का पायलट बताती थी और वर्दी पहनकर घूमती थी। उसने अपने माता-पिता से भी झूठ बोला था कि वो एयर इंडिया में पायलट है. आरसीएफ पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक केदारी पवार ने बताया कि शारदी शशिकांत पर धोखाधड़ी और जालसाजी का आरोप लगाया है, और वर्तमान में उसके कार्यों के पीछे के मकसद का पता लगाने के लिए मामले की आगे की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी चेंबूर निवासी शारदी शशिकांत ने एयरलाइन के ईमेल पते पर भुगतान चालान भी जारी किया था। शिकायतकर्ता के बेटे ने विज्ञान विषय से 12वीं की परीक्षा पास की थी। उसे पता चला कि उसके सहकर्मी की बेटी एयर इंडिया में पायलट है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
- सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्षों का संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम 1975 (जनवरी 2019 संशोधित) की धारा 8 (3) (क) के अंतर्गत प्रावधान के अनुपालन में परिमंडल-1 के अंदर ई विभाग से **01** प्रस्ताव और डी विभाग से 01 प्रस्ताव,परिमंडल- 2 के अंदर एफ/उत्तर विभाग से **01** प्रस्ताव,जी/दक्षिण विभाग से **01** प्रस्ताव, जी/उत्तर विभाग से **01** प्रस्ताव यानी कुल 5 प्रस्ताव वृक्षों को हटाने के लिए मनपा आयुक्त/अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण (बीएमसी)/ की मंजूरी के लिए प्राप्त हुआ है।

उपरोक्त प्रस्तावों के अंतर्गत पेड़ों की कटाई/पुनर्रोपित करने के बारे में विस्तृत जानकारी मनपा के www.mcgm.gov.in वेबसाइट पर बृहन्मुंबई महानगरपालिका के बारे में विभाग और वार्ड की नियमावली संबंधित सूचना पुस्तिका-गार्डन और वृक्ष प्राधिकरण-वृक्ष प्राधिकरण सार्वजनिक सूचना- 285- 7 दिन-**Z-I, II** वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उपरोक्त प्रस्ताव के संबंध में नागरिकों की कुछ आपत्तियां व सुझाव आने पर इस विज्ञापन के छपने से 7 दिन के अंदर लिखित स्वरूप में निर्धारित प्रारूप में उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में पेश किया जाए।

उसी तरह आप अपनी आपत्तियां/सुझाव निर्धारित प्रारूप में **dysg.ta@mcgm.gov.in** ईमेल आईडी पर जमा कर सकते हैं। निर्धारित समय पर पेश की गई आपत्तियों/सुझाव पर विचार किया जाएगा। उक्त तिथि के बाद प्राप्त ईमेल या लिखित सुझाव/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा। प्राप्त सुझाव और आपत्तियों के संबंध में सुनवाई 26/07/2024 के दिन उद्यान अधीक्षक व वृक्ष अधिकारी के कार्यालय में दोपहर को 4.30 से 5.00 बजे के दरम्यान किया जाएगा। जो लोग इस सुनवाई में उपस्थित होना आवश्यक समझते हैं वे उपस्थित रह सकते है वे ई-मेल, सुझाव/आपत्तियों की एक प्रति के साथ।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष प्राधिकरण के वृक्ष अधिकारी
पेग्विन इमारत, 2री मंजिल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर रोड,
भायखला (पूर्व), मुंबई-400027.
दूरभाष क्रमांक-022-23742162
ईमेल- dysg.ta@mcgm.gov.in

हस्ता.
पीआरओ/520/विज्ञा./2024-25 **उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी**

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

कोर्ट ने दोषियों को छुट्टी देने से मना करने पर जेल अधिकारियों की खिंचाई की

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने राज्य के जेल अधिकारियों के दोषियों को पैरोल और फरलो का लाभ देने से मना करने का आदेश देने के लिए खिंचाई की। अदालत ने कहा कि बिना किसी आधार के दोषियों को पैरोल और फरलो के लाभ में कटौती नहीं की जा सकती है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की पीठ के समक्ष दोषी तबरेज खान की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान पीठ ने अपने आदेश में कहा कि स्थानीय पुलिस स्टेशन की रिपोर्ट में किसी दोषी की पैरोल या फरलो पर आपत्ति जताई गई है, तो केवल इसके आधार पर दोषी के पैरोल या छुट्टी के लाभ में कटौती नहीं की जा सकती। पीठ ने जेल अधिकारियों के फैसले को रद्द करते हुए तबरेज खान को फरलो दे दिया। अदालत ने इस बात का उल्लेख किया कि अगस्त 2022 में राज्य कारागार विभाग ने एक परिपत्र जारी कर जेल अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे केवल पुलिस की प्रतिकूल रिपोर्ट के आधार पर पैरोल और फरलो आवेदनों को अस्वीकार न करें।

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

बांधकाम विभाग, प्र.स.क्र. 1

ई-निवीदा सुचना क्रमांक 06 सन 2024-25 (2 रा कॉल)

निविदा विक्री दि. 16/07/2024 ते दि. 23/07/2024
सादरीकरण दि. 23/07/2024

अनु. क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम	निविदापत्राची किंमत (रु.)
१	भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका, हद्दीतील मनपा शाळा क्र.56 नागावच्या बाजुला असलेली जुनी व्यायामशाळा दुरुस्ती करणे.	49,99,144/-	590/-

सदर निवीदा बाबतची माहिती mahatenders. gov.in संकेत स्थळावर दि. 16/07/2024 पासुन उपलब्ध आहे.

सही/-
प्र. शहर अभियंता
भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका

संपादकीय

मां-बाप की सुध

यह विडंबना है कि हमारे सामाजिक ताने-बाने में तेजी से आए बदलाव के बीच वृद्ध माता-पिता की देखभाल की जिम्मेदारी से मुंह मोड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। अदालतों में गुजारा-भत्ते से जुड़े विवाद बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। यही वजह है कि केंद्र सरकार वृद्ध माता-पिता की देखभाल के लिये बाध्य करने वाले 2007 के कानून में बदलाव लाकर, इसका दायरा बढ़ाने के मकसद से नये कानून लाने की तैयारी में है। माता-पिता और बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े वर्षों पुराने कानून को प्रभावी व व्यावहारिक बनाने की कोशिश है। पहले वृद्ध माता-पिता अपनी संतानों से दस हजार रुपये तक का गुजारा भत्ता पाने के हकदार थे। बताया जा रहा है कि नये विधेयक के अनुसार अब माता-पिता का गुजारा भत्ता बच्चों की आर्थिक हैसियत से तय होगा। वहीं बच्चों के साथ कटुता कम करने के प्रयासों में माता-पिता व बुजुर्गों को त्यागने अथवा दुर्व्यवहार पर बच्चों को दी जाने वाली सजा में कमी करने की तैयारी है। सामाजिक संगठनों से विमर्श में यह बात सामने आई थी कि लंबी सजा से माता-पिता और बच्चों के संबंधों में ज्यादा खटास बढ़ती है। कहा जा रहा है कि सरकार बजट सत्र में इस विधेयक को पेश कर सकती है। दरअसल, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने बुजुर्गों की देखभाल से जुड़े 2007 के कानून में बदलाव की पहल तब की, जब समाज में बुजुर्गों की अनदेखी व दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़े हैं। दरअसल, नये विधेयक में इससे जुड़े कानून की व्यावहारिक दिक्कतों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, मंत्रालय ने कानून में बदलाव की पहल वर्ष 2019 में कर दी थी। इसी साल लोकसभा में एक विधेयक भी पेश किया गया था। इसके व्यापक पहलुओं की पड़ताल के लिये विधेयक को बाद में संसदीय समिति के पास भेज गया था। संसदीय समिति की सिफारिशों के आधार पर सरकार ने एक बार फिर एक विधेयक को संसद में पेश किया था। लेकिन वह पारित नहीं हो पाया था। कालांतर 17वीं लोकसभा का कार्यकाल खत्म होने के कारण विधेयक निष्प्रभावी हो गया था। जिसके बाद अब सरकार नये सिरे से इस विधेयक को संसद में लाने की तैयारी में है। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक में कई नये प्रावधानों को जोड़ा गया है। एक ओर जहां गुजारा भत्ते के सीमित दायरे को खत्म किए जाने का प्रावधान है, वहीं विगत में आए बच्चों की सजा बढ़ाने के प्रस्ताव को टाला गया है। अब इसे सिर्फ प्रतीकात्मक तौर पर ही रखा जाएगा। वहीं गुजारा भत्ता देने की जवाबदेही का विस्तार करते हुए अब पात्र बच्चों के दायरे में दामाद, पुत्रवधु,नाती-पोते, पोती-नातिन व अल्पवयस्क बच्चों के विधिक अभिभावकों को भी शामिल किया गया है। अब तक इस जवाबदेही के दायरे में बेटा-बेटी व दत्तक बेटा-बेटी ही शामिल थे। इसके अलावा विधेयक में प्रत्येक जिले में बुजुर्गों की गणना, मेडिकल सुविधाओं से लैस वृद्ध आश्रम व जिला स्तर पर एक सेल गठित करने जैसे प्रावधान हैं।

जीवंत रहे लोकमानस की धड़कन हरियाणवी

नरेश कौशल

'हरियाणा यो जाण्या जा सै, रण में हाथ दिखाणे मैं।
सोना खेत उगाणे मैं, अर दूध-दही-घी खाणे मैं।'

हरियाणा में साहित्य सृजन की प्राचीन परंपरा है। प्रदेश में सरस्वती नदी के तट पर वेदों, उपनिषदों आदि धर्मग्रंथों की रचना हुई। यहां संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, हिंदी व हरियाणवी भाषाओं में प्रचुर मात्रा में साहित्य रचा गया। हिंदी की उपभाषा हरियाणवी की लोक साहित्य में अपनी पहचान है। हरियाणवी भाषा की लोकगीतों, लोककथाओं, लोकनाट्यों, लोकोक्तियों, मुहावरों, सूक्तियों और लोकजीवन में सशक्त अभिव्यक्ति हुई है। प्राचीनकाल में इस प्रदेश में संस्कृत भाषा की सरस्वती निरंतर प्रवाहमान रही। कालांतर में वह धारा पालि, प्राकृत और अपभ्रंश के रूप में गुजरती हुई हरियाणवी के रूप में सामने आई है।

दरअसल, हर्षोल्लास से परिपूर्ण हरियाणवी लोक संस्कृति में खेती, तीज-त्योहारों, पारिवारिक उत्सवों, सामाजिक समारोहों में रागनी, सीठणे व चौपालों में मनोरंजन के रूप में हरियाणवी भाषा का बिंब नजर आता है। लोकपर्व, आस्था-विश्वास व मांगलिक उत्सवों में सांग के रूप में हरियाणवी लोकमानस से जोड़ती है। लोकगीतों में मार्मिक भावों की अभिव्यक्ति जितनी हरियाणवी के माध्यम से संभव है उतनी शायद ही किसी अन्य भाषा से हो सकती हो।

हरियाणवी जहां ओज के चलते वीर रस के वर्णन के लिये उपयुक्त रही है वहीं इसकी महत्वपूर्ण भूमिका स्वतंत्रता आंदोलन में भी रही। भजन गायकों, कथावाचकों, राग-रागनियों के गायकों व सांगियों द्वारा आजादी के लिए जनजागरण का कार्य किया गया। हरियाणा के भिन्न-भिन्न अंचलों में या कहें कि दो-दो कोस के बाद हरियाणवी बोली में बदलाव पाया जाता है। जींद क्षेत्र में बांगरू, कुरुक्षेत्र के आसपास कौरवी, रेवाड़ी-महेंद्रगढ़ व आसपास अहीरवाटी, फतेहाबाद-सिरसा क्षेत्रों में बागड़ी, नूंह क्षेत्र में मेवाती, बल्लभगढ़-पलवल इत्यादि में ब्रज और फतेहाबाद व आसपास में खादरी बोली का प्रचलन पाया जाता है। लेकिन, अगर हम लोकप्रियता के पैमाने पर आंकें तो बांगरू बोली का आधिपत्य ज्यादा है। पंडित लखमीचंद ने भी अपनी अधिकतर रचनाएं बांगरू व खादरी में ही की हैं।

इस बोली ने बॉलीवुड तक अपनी उपस्थिति दर्ज की है, दंगल, सुल्तान और तनु वेड्स मनु जैसी चर्चित फिल्मों के अलावा सीरियल्स में हरियाणवी किरदार तथा हरियाणवी बोली छाई रही है। बीते कुछ दशकों में हर विधा में हरियाणवी के ग्रंथ-पुस्तकें सामने आई हैं। हरियाणवी लोकगीतों और हरियाणवी लेखन पर काफी शोध कार्य हुआ, फिर भी अभी बहुत कुछ होना बाकी है। यह तभी संभव होगा, जब इस बोली को भाषा का दर्जा दिया जाएगा। मैं हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी को बधाई एवं साधुवाद देता हूं कि उन्होंने हरियाणवी संस्कृति तथा हरियाणवी बोली पर केंद्रित यह कार्यशाला रखी है और उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष भी इस बोली को भाषा बनाने का प्रारूप तैयार करके भेजा है।

इस कार्यशाला में हरियाणवी बोली तथा साहित्य से जुड़े अनेक विद्वान शामिल हुए हैं। उनके तथा अन्य रचनाकारों के इस विषय पर शोधपत्र एवं विचार आमंत्रित करके अकादमी इस कार्य को सिरे चढ़ा सकती है। इस पुनीत पहल के लिए मैं अकादमी को अग्रिम शुभकामनाएं भी देता हूं। जहां तक दैनिक ट्रिब्यून समाचार पत्र का सवाल है हमने भी हरियाणवी बोली के संरक्षण एवं संवर्धन में पिछले चार-पांच दशकों से निरंतर विनम्र प्रयास किया है। दैनिक ट्रिब्यून के कार्टून स्तंभकार संदीप जोशी का 'ताऊ बोल्या' हो या फिर 'दादा जी' की सियासी साप्ताहिक डायरी 'चर्चा हुक्के पै', स्व. रामकुमार आत्रेय जैसे हरियाणवी मर्मज्ञ का साप्ताहिक गद्य स्तंभ रहा हो और या फिर व्यंग्यकार शमीम शर्मा का साप्ताहिक स्तंभ 'तिरछी नजर' जिसमें हरियाणवी पुछल्ला हो, या फिर हरियाणवी लोक संस्कृति में रचे-बसे साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया की कुंडलियां, दोहे तथा रागनी जैसे चर्चित स्तंभ 'चालती चाक्की', बोल बखत के, राग रागनी या फिर लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव में उनकी चुनावी चुटकियां, 'बुरा न मानो होली है' हों, इन सभी रचनाओं को दैनिक ट्रिब्यून ने हरियाणवी रंग में ही प्रस्तुत किया है।

इतना ही नहीं, दैनिक ट्रिब्यून को यह श्रेय भी दिया जा सकता है कि हरियाणवी संस्कृति तथा हरियाणवी बोली की सबसे ज्यादा पुस्तकों की समीक्षा पिछले तीन दशकों में अखबार के संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित हुई हैं। मेरे संपादन काल की पहली पारी में हर सप्ताह प्रकाशित होने वाले स्तंभों में भी हरियाणवी को सदैव प्राथमिकता दी जाती रही। हरियाणवी के भूले-बिसरे साहित्यकारों तथा लोक परंपराओं को भी इन स्तंभों में सर्वाधिक स्पेस दिया गया और यह प्रयास आज भी निरंतर जारी है। मुझे अपने पत्रकारिता एवं संपादन के लंबे अनुभव के दौरान हरियाणवी साहित्य एवं संस्कृति से जुड़े अनेक चटपटे पहलू बेहद प्रिय रहे हैं, उदाहरण के लिए-ठाड्डा मारै रोवण दे ना। खाट खोस ले सोवण दे ना॥ हरियाणा का आदमी सीधी बात करता है, इसलिए उनके लिए कहा जाता है-जिसकी पेट मैं..! उसी घेट मैं!!

मैं तो आप सभी से यही आग्रह करूंगा कि आप इस प्राचीन समृद्ध बोली का संरक्षण एवं संवर्धन करते रहें तथा इसको भाषा बनाने के लिए सभी अपने-अपने स्तर पर प्रयास करते रहें, जाद्दा हमनै कोन्नी बेरा। जब जागै तभी सवेरा॥

सहज योग

आपको सीखना होगा क्षमा करना

जब आपको ये सब शक्तियां मिली है, तो सबसे बड़ी शक्ति जो आपके पास है, वो है क्षमा की शक्ति। आज का दिन क्षमा करने का दिन है। क्षमा करो उन्हें जिन्होंने आपके साथ कुछ गलत किया है, या आपके साथ दुष्टता की है।

आपको सीखना ही होगा क्षमा करना। यह बहुत विशेष गुण है। अगर आप क्षमा कर सकते है, तो पूरा समय क्षमा करो।

और इसीलिए आज मैं आप सबसे मिलना चाहती थी। तो मैं मिली (हंसते हुए)। मैं आप सबसे मिलना चाहती थी और बताना चाहती थी की आज का दिन क्षमा करने का दिन है। इसका अर्थ यह नहीं की आप बैठे और सोचे आपको कितने लोगों को क्षमा करना है (हंसते हुए)। यह बेतुका और निरर्थक होगा। पर ऐसा कुछ जो आपके मस्तिष्क को डराता है और आपको लगता है, आपको बहुत परेशान किया है और आपको मुसीबत में डाला है, तो सिर्फ सोचिये की आपको पता नहीं कितनी शक्तियां आपके पास है, और आप क्षमा भी नहीं कर सकते ? जब आपको ये सब शक्तियां मिली है, तो सबसे बड़ी शक्ति जो आपके पास है, वो है क्षमा की शक्ति। आज का दिन क्षमा करने का दिन है। क्षमा करो उन्हें जिन्होंने आपके साथ कुछ गलत किया है, या आपके साथ दुष्टता की है। याद करो अभी आप किससे नाराज़ हो। उन्हें बस क्षमा कर दो। तब आपने उन्हें सज़ा दे दी। यदि आप उन्हें अपने दिल से क्षमा करते है, तब आपने उन्हें सज़ा दे दी। आपने उन्हें दे दिया जो भी वो चाहते थे, जिसके वो योग्य है। तो यह बहुत कठिन बात नहीं है, क्षमा करना। पर लोग सोचते है यह बहुत कठिन है क्षमा करना क्योंकि वो खुद को बहुत महान समझते हैं। और फिर वो सोचते है, वो क्षमा कैसे कर सकते है ? मुझे नहीं पता की आपको क्या बातें दुखी करती है, कुछ भी आपको दुखी कर सकता है। आखिर आप सब आत्मसाक्षात्कारी है।आपको दूसरा जन्म मिला है, और आप विशेष लोग है।

तो आपके विशेष गुण होना चाहिए और वो विशेष गुण है क्षमा करने का। क्षमा करने के लिए। याद करने की आवश्यकता नहीं की किन बातों पर नाराज़ होना है या दुखी होना चाहिए। पर सिर्फ याद रखना है की किन सब बातों को क्षमा करना है। बस क्षमा कीजिए। किसलिए? यह समझने वाली बात है। मान लीजिये कोई मुझे थप्पड़ मारता है, ठीक है। यदि कोई मुझे थप्पड़ मारता है, मुझे क्या करना चाहिए ? मुझे उसे वापस थप्पड़ मरना चाहिए क्या ? नहीं। तो मुझे उसे क्या पूछना चाहिए? आपने मुझे थप्पड़ क्यों मारा !, नहीं। फिर मुझे सोचना चाहिए, वो ज़रूर कोई मूर्ख होगा ऐसा करने के लिए। यह भी मदद नहीं करेगा। इसके विपरीत, यदि आप केवल क्षमा कर दे, उस व्यक्ति को क्षमा कर दे, जिसने कुछ गलत किया है।

आपके लिए यह महत्वपूर्ण है कि आप उसे क्षमा करे, क्योंकि उसका आप पर कुछ असर नहीं होगा। एक बार आप क्षमा कर दें, तो उसका आपके ऊपर कुछ परिणाम नहीं होगा। आपकी अच्छी पर या आपके धार्मिकता पर कोई परिणाम नहीं होगा। पर मुझे लगता है, मनुष्य को यह कठिन लगता है, क्षमा करने को, साधारणतया।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत

अरुणा आसफ अली

भारत छोड़ो आंदोलन की विरांगना

अरुणा आसफ अली, यह दो लोगों का नाम है, लेकिन आज भी हम इस नाम को किसी एक व्यक्ति के नाम की तरह जानते हैं। दरअसल, अरुणा और आसफ अली ने न सिर्फ अलग-अलग धर्म का होने के बावजूद प्यार किया और साथ रहने का साहस दिखाया, परंतु देश की आजादी में भी दोनों ने खुद को झोंक दिया। 16 जुलाई को अरुणा आसफ अली का जन्म दिन है, आइए जानते हैं उनके बारे में कुछ खास बातें।

16 जुलाई 1909 को पंजाब के एक ब्राहमण परिवार में अरुणा का जन्म हुआ था। पूरा नाम अरुणा गांगुली था। पिता का नाम था उपेंद्रनाथ गांगुली। पिता रेस्टोरेंट व्यवसायी थे। अरुणा ने अपनी शुरूआती पढ़ाई नैनीताल से की। अरुणा पढ़ने में होशियार थी। उन्होंने लाहौर से स्नातक की डिग्री ली और कलकत्ता में टीचर की नौकरी की। इसी दौरान अरुणा की मुलाकात आसफ अली से हुई। आसफ अली एक वकील थे और कांग्रेस के नेता भी। ब्राह्मण अरुणा और मुस्लिम आसफ अली के लिए मुश्किलें कम नहीं थीं। दो लोग, दोनों के धर्म बिल्कुल जुदा थे, लेकिन वे साथ में रहना चाहते थे और देश की आज़ादी के संघर्ष में भी अपना योगदान देना चाहते थे वो भी साथ- साथ रहकर। आसफ अली ने दिल्ली से पढ़ाई पूरी की थी और अपनी पढ़ाई के दौरान ही स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो चुके थे, जिसके लिए इन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा था। वे 1914 से पूरी तरह से राष्ट्रीय आंदोलनों में हिस्सा लेने लगे थे। इसी दौरान जब अरुणा उनसे मिलीं तो उनकी देशभक्ति से प्रभावित हुए बगैर नहीं रह सकीं।

कई मुलाकातें हुईं, बातचीत हुई। यह दोस्ती प्यार में बदल गई। एक वक्त आया जब दोनों को लगा कि अब शादी कर लेना चाहिए। आसफ उम्र में अरुणा से बड़े थे और धर्म भी अलग था। फिर भी दोनों ने साल 1928 में शादी कर ली। अरुणा शादी के बाद अरुणा आसफ बन गईं और अब तक इसी नाम से जानी जाती है। इसके बाद उनकी तकलीफों का दौर शुरू हो गया। बावजूद इसके वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के आंदोलन में हिस्सा लेते रहे। 1930 में जब गांधी का नमक आंदोलन शुरू हुआ तो अरुणा ने पहली बार इसमें भाग लिया। इस दौरान वे गिरफ्तार भी हुईं और उन्हें 1 साल की सजा भी हुई। लेकिन जेल जाने के बाद भी वे टूटी नहीं। बाहर आकर फिर से आंदोलन का हिस्सा बनीं। लेकिन दूसरी बार फिर उन्हें जेल हुई। इस बार अरुणा ने जेल के अंदर मुजरिमों के साथ होने वाले अमानवीय व्यवहार और अत्याचार के लिए अभियान चलाए, भूख हड़तालें कीं। अंग्रेजों के खिलाफ कई आंदोलन चल रहे थे। जब गांधी ने नमक सत्याग्रह के बाद 1942 में 'भारत छोड़ो आंदोलन' शुरू किया तो अरुणा ने इसमें भाग लिया। लंबी लड़ाई के बाद में अरुणा ने मुंबई के ग्वालियर टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर अपनी बहादुरी दिखाई। ऐसा कहा जाता है कि इस दिलेरी की वजह से अंग्रेजों ने अरुणा की गिरफ्तारी पर 5 हजार रूपए का इनाम रख दिया था। आज़ादी के बाद भी देश के लिए उनकी सेवा जारी रही। दोनों ने भारत में अलग-अलग पदों पर रह कर देश की सेवा की। इसके बाद भी उन्होंने अपनी एक सोशलिस्ट पार्टी बनाई, बाद में इस पार्टी का भारत की कम्युनिस्ट पार्टी में विलय हो गया। कुछ दिनों बाद अरुणा ने इस पार्टी का साथ छोड़कर दोबारा कांग्रेस पार्टी ज्वॉइन कर ली और फिर दिल्ली की पहली महिला मेयर बनीं।

अरुणा आसफ अली के योगदान के लिए उन्हें 1975 में इन्हें लेनिन शांति पुरस्कार और जवाहरलाल नेहरु पुरस्कार भी मिला। 29 जुलाई 1996 को अरुणा आसफ अली का निधन हो गया। निधन के बाद उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारतरत्न' से नवाजा गया था।

जीवन ऊर्जा

सर जोशुआ : जन्म 16 जुलाई, 1723

जन्म

मनुष्य का मन ही सभी चीज़ों का माप है

सर जोशुआ रेनॉल्ड्स एक प्रभावशाली अंग्रेजी चित्रकार औररॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट्स के पहले अध्यक्ष थे। अपने चित्रों के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने यथार्थवाद और आदर्शवाद के एक अनूठे मिश्रण के साथअपने विषयों की भव्यता को कैद किया। रेनॉल्ड्स का कलात्मक प्रभाव उनके जीवन काल सेपरे तक फैला, जिसने पीढ़ियों तक ब्रिटिश कला को आकार दिया। जोशुआरेनॉल्ड्स का जन्म 16 जुलाई, 1723 को हुआ था और उनका निधन 23 फरवरी, 1792 को हुआ था।

कोई भी ऐसा उपाय नहीं है जिसका सहारा मनुष्य सोचने केवास्तविक श्रम से बचने के लिए न ले। कलाकार के काम की व्याख्या नहीं की जा सकती, उसे महसूस किया जाना चाहिए। उत्कृष्टता कभी भी मनुष्य कोश्रम के पुरस्कार के रूप में ही दी जाती है। कला की संपूर्ण सुंदरता और भव्यता इसबात में निहित है कि वह सभी विलक्षण रूपों, स्थानीय रीति-रिवाजों, विशिष्टताओं और हर तरह के विवरणों से ऊपर उठ पाती है। चित्रोंसे सजा हुआ कमरा विचारों से सजा हुआ कमरा है। प्रकृति की नकल करने वाला व्यक्तिकभी भी कोई महान चीज नहीं बना सकता। केवल मनुष्य का मन ही सभी चीज़ों का माप है। सख्तीसे कहें तो आविष्कार, उन छवियों के नए संयोजन सेथोड़ा

अधिक है जिन्हें पहले से ही इकट्ठा करके स्मृति में जमा कर दिया गया है। एककाम कला के एक टुकड़े के रूप में मूल्यवान हो सकता है, लेकिन एक ऐतिहासिक तथ्य के रूप में बेकार है। चित्रकार कीकला को बेहतर बनाने का सही तरीका जनता के स्वाद को और अधिक परिपूर्ण बनाना है। सबसेबड़ी कठिनाई पहले प्रतिष्ठा हासिल करना है, फिर उसे जीते जी बनाए रखना हैऔर फिर मरने के बाद उसे सुरक्षित रखना है। चित्रों से भरा कमरा विचारों से भराकमरा होता है। कलाकार को अच्छी तरह से पता होना चाहिए कि उसे क्या करना है औरकिससे बचना है। कलाकार को प्रतिभा के अयस्क के साथ मिश्रित सभी मलबे का हिस्सालेने के लिए तैयार रहना चाहिए। चीजों को उनके वास्तविक अनुपात में देखना, चीजों को वैसा ही देखना जैसा वे हैं, यही चित्रकला का उद्देश्य है, और सभी सच्ची आलोचनाओं काउद्देश्य है। प्रकृति का मात्र एक नकलची कभी भी कुछ महान नहीं बना सकता।

प्रेरक प्रसंग

दृष्टिकोण

यह सोनपुर में स्थित छोटे से गाँव के गरीब परिवार के दो भाई की कहानी है।एक का नाम सोहन था और दूसरे का नाम मोहन। यह दोनो ही सगे भाई थे पर दोनो की जीवनशैली, जीवन जीने का तरीका बिलकुल ही अलग था। मोहन बहुत ही गुस्सा वाला था। काम धंधे से ज्यादा व्यसन करना उसके दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा था। गांव वालो को हानि पहुंचाना तथा घेरलू हिंसा का इस तरह करता था जैसे मानो उसका जन्म सिद्ध अधिकार हो। सोहन बहुत ही शांत स्वभाव वाला युवक था। व्यसन जैसे आदतों से दूर रहता था। वह अपने परिवार को हर तरह की सुख सुविधा उपलब्ध हो इसलिए वह निरंतर संघर्ष करता था।

गांव के प्रसिद्ध व्यक्ति से दोनो भाईयो को कहा की आप दोनो एक ही पिता को संतान हो पर आपके विचार इतने अलग केसे है।मोहन ने जवाब दिया, मैं जो भी व्यवहार करता हु इसमें मेरा कोई दोष नही है।इसमें मेरे पिताजी का दोष है। हमारी आर्थिक परिस्थिति बिलकुल भी अच्छी नहीं थी जिसके चलते व्यसन करना, घेरलु हिंसा का बढ़ावा हुआ।पिताजी को देखते देखते मैं भी उनकी तरह बन गया।सोहन जवाब देता है कि, मै भी अपने पिताजी से ही सीखा हु।मेरे पिताजी की बुरे आदतें व जीवनशैली देखने के बाद बिल्कुल घबरा गया था। समय निश्चित क्या मैं सब कोई कार्य नहीं करूंगा जो मेरे पिताजी ने किया। हमारा जीवन हमारे दृष्टिकोण पर निर्भर करता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

वीर अंगद के वचन

(भाग 3)

जब मैं जवान था, तब मुझमें बहुत बल था, बलि के बाँधते समय प्रभु इतने बढ़े कि उस शरीर का वर्णन नहीं हो सकता, किंतु मैंने दो ही घड़ी में दौड़कर (उस शरीर की) सात प्रदक्षिणाएँ कर लीं थी, परन्तु अब वह बल नहीं रहा जामवंत जी यह बोल ही रहे थे कि उनकी दृष्टि हनुमान जी महाराज पर पड़ी.. जो कि एक शिला पर बैठे समुद्र की तरफ शान्त भाव से देख रहे हैं,जामवंत जी ने सभी वानरों को साथ लेकर हनुमान जी महाराज के समक्ष गए और बोले हे हनुमान्! हे बलवान्! सुनो, तुमने यह क्या चुप साध रखी है? तुम पवन के पुत्र हो और बल में पवन के समान हो। तुम बुद्धि-विवेक और विज्ञान की खान हो,

कवन सो काज कठिन जग माहीं..!जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं..!!

राम काज लगि तव अवतारा..!सुनतहिं भयउ पर्बताकारा..!!

अर्थात-जगत् में कौन सा ऐसा कठिन काम है जो हे तात! तुमसे न हो सके।

श्री रामजी के कार्य के लिए ही तो तुम्हारा अवतार हुआ है, जामवंत जी द्वारा यह सुनते ही हनुमान्जी पर्वत के आकार के (अत्यंत विशालकाय) हो गए..!

कनक बरन तन तेज बिराजा। मानहुँ अपर गिरिन्ह कर राजा॥

सिंहनाद करि बारहिं बारा। लीलहिं नाघउँ जलनिधि खारा॥

अर्थात-उनका सोने का सा रंग है, शरीर पर तेज सुशोभित है, मानो दूसरा पर्वतों का राजा सुमेरु हो। हनुमान्जी ने बार-बार सिंहनाद करके बोले- मैं इस खारे समुद्र को खेल में ही लाँघ सकता...

सहित सहाय रावनहि मारी। आनउँ इहाँ त्रिकूट उपारी॥

जामवंत मैं पूँछउँ तोही। उचित सिखावनु दीजहु मोही॥

अर्थात- और सहायकों सहित रावण को मारकर त्रिकूट पर्वत को उखाड़कर यहाँ ला सकता हूँ। हे जाम्बवान्! मैं तुमसे पूछता हूँ, कि मुझे क्या करना चाहिए जामवंत जी बोलेतात...हे तात.. तुम जाकर इतना ही करो कि सीता जी को देखकर लौट आओ और उनकी खबर राम जी को बता दो फिर राम जी अपने बाहुबल से राक्षसों का संहार करके सीताजी को ले जाएंगे, और इस खेल के लिए वे वानर सेना को भी साथ लेंगे,जामवंत जी की बात हनुमान जी को बहुत प्रिय लगी वे सभी वानरों से बोले हे भाईयों, तुम लोग लोग दुःख सहकर, कन्द-मूल-फल खाकर तब तक मेरी राह देखना जब तक मैं सीता जी का पता लगाकर वापस ना आ जाऊँ ऐसा कहकर रघुनाथ जी को हृदय में धारण करके सभी को प्रणाम करके हनुमान जी समुद्र तट पर एक सुंदर पर्वत था उस पर कौतूहल में ही चढ़ गए और बारम्बार रघुनाथ जी का स्मरण करके उस पर्वत से बड़े वेग से उछले, जिस पर्वत पर हनुमान जी पैर रखकर उछले थे वह पाताल में धंस गया,और जिस प्रकार राम जी का अमोघ बाण चलता है उसी तरह हनुमान जी लंका को चले।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सुविचार

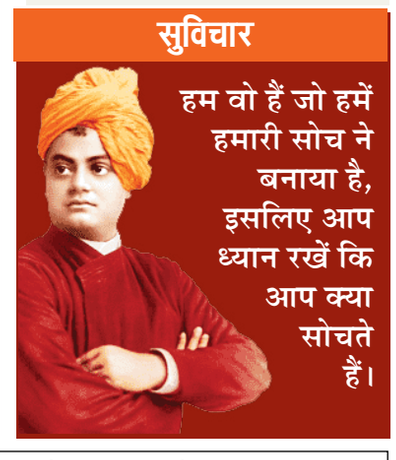

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

द ग्रेट वुमन

जन्म तिथि 16 जुलाई से 20 जुलाई तक

नीलम रामअवध

इस लेख में हम उन महिलाओं के बारे में बताएंगे, जिन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए अपना अहम योगदान दिया है। ये उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं जो अकेले अपने दम पर अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं।

अरुणा आसफ अली

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी

जन्म- 16 जुलाई 1909, काल्का, पंजाब
निधन- 29 जुलाई 1996

अरुणा आसफ अली एक प्रमुख भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिक नेता थीं। उन्होंने लाहौर में सेक्रेड हार्ट कॉन्वेंट में शिक्षा प्राप्त की। अरुणा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक सक्रिय भागीदार बन गईं और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बॉम्बे के गोवालिया टैंक मैदान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का झंडा फहराने के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हें गिरफ़्तारी का सामना करना पड़ा और वे भूमिगत हो गईं, प्रतिरोध का प्रतीक बन गईं। स्वतंत्रता के बाद, अरुणा सोशलिस्ट पार्टी और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गईं। उन्होंने 1958 में दिल्ली की पहली मेयर के रूप में कार्य किया और 1997 में मरणोपरांत उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। वह एक समर्पित कार्यकर्ता, अरुणा आसफ अली की विरासत भारत के स्वतंत्रता संघर्ष और उसके बाद के विकास में बनी हुई है।

अरुणिमा सिन्हा

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली दुनिया की पहली विकलांग महिला

जन्म: 20 जुलाई 1988, अंबेडकर नगर, उत्तर प्रदेश

अरुणिमा सिन्हा माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली दुनिया की पहली विकलांग महिला हैं। एक पूर्व राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल खिलाड़ी, 2011 में डकैती के दौरान चलती ट्रेन से धक्का दिए जाने के बाद उन्होंने अपना बायां पैर खो दिया था। जीवन बदल देने वाली इस चोट के बावजूद, अरुणिमा ने दृढ़ संकल्प के साथ पर्वतारोहण जारी रखा। 2013 में, उन्होंने एवरेस्ट पर चढ़कर अपना सपना पूरा किया, जिससे लाखों लोगों को प्रेरणा मिली। उन्होंने अपनी यात्रा को साझा करने और खेल और विकलांगता अधिकारों की वकालत करने के लिए 'बॉर्न अगेन ऑन द माउंटेन' लिखा। लचीलेपन और साहस की उनकी अविश्वसनीय कहानी दुनिया भर के लोगों को प्रेरित करती रहती है।

कादम्बिनी गांगुली

भारत की पहली महिला डॉक्टरों में से एक

जन्म: 18 जुलाई 1861, भागलपुर, बिहार, निधन: 03 अक्टूबर 1923

कादम्बिनी गांगुली भारत और ब्रिटिश साम्राज्य की पहली महिला डॉक्टरों में से एक थीं। उन्होंने 1886 में बेथ्यून कॉलेज और फिर कलकत्ता मेडिकल कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। कादम्बिनी चिकित्सा में महिलाओं के लिए अग्रणी थीं और महिलाओं के अधिकारों की पैरोकार थीं, उन्होंने सामाजिक सुधार आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया। वह ब्रह्मो समाज से भी जुड़ी थीं, जहां उन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया। उनकी उपलब्धियों ने पुरुष-प्रधान समाज में बाधाओं को तोड़ दिया, जिससे महिलाओं की भावी पीढ़ियों को उच्च शिक्षा और पेशेवर करियर बनाने के लिए प्रेरणा मिली।

शैली चोपड़ा

पत्रकार, लेखिका और उद्यमी

जन्म: 21 जुलाई 1981, जालंधर, पंजाब

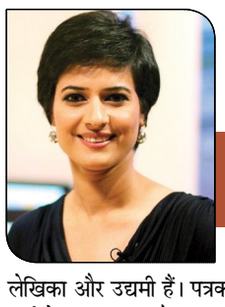

शैली चोपड़ा एक प्रमुख भारतीय पत्रकार, लेखिका और उद्यमी हैं। पत्रकारिता में उनका एक विशिष्ट करियर रहा है, उन्होंने ET Now और NDTV जैसे प्रमुख समाचार चैनलों के साथ काम किया है, जहाँ उन्होंने वित्तीय और व्यावसायिक समाचारों को कवर किया है। शैली SheThePeople.TV की संस्थापक हैं, जो महिलाओं की कहानियों और उपलब्धियों को समर्पित एक मंच है। लैंगिक समानता की पैरोकार, उन्होंने 'व्हेन आई वाज़ 25' और 'फेमिनिस्ट रानी' सहित कई किताबें लिखी हैं। उनके काम ने उन्हें कई पुरस्कार दिलाए हैं, जिसमें बिजनेस जर्नलिज्म में उत्कृष्टता के लिए रामनाथ गोयनका पुरस्कार भी शामिल है। शैली मीडिया और महिला सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण आवाज़ बनी हुई हैं।

नालापत बालमणि अम्मा

कवि

जन्म: 19 जुलाई 1909, पुन्नयुरकुलम, केरल
निधन: 29 सितंबर 2004, कोच्चि

नलपत बालमणि अम्मा एक प्रसिद्ध भारतीय कवियित्री थीं, जो मलयालम साहित्य में अपने काम के लिए जानी जाती थीं। उन्हें औपचारिक शिक्षा नहीं मिली, लेकिन उनके चाचा ने उन्हें पढ़ाया। बालमणि अम्मा की कविताएं अक्सर मातृत्व, नारीत्व और उनके आध्यात्मिक अनुभवों पर केंद्रित होती थीं। उनकी उल्लेखनीय कृतियों में 'अम्मा' (माँ), 'मुथस्सी' (दादी) और 'मझुविंते कथा' (कुल्हाड़ी की कहानी) शामिल हैं। उन्हें सरस्वती सम्मान और पद्म भूषण सहित कई पुरस्कार मिले। बालमणि अम्मा की गीतात्मक और मार्मिक कविता ने भारतीय साहित्य पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ा है, जिससे उन्हें 'मलयालम कविता की दादी' की उपाधि मिली है।

जेरू बिलिमोरिया

सामाजिक उद्यमी

जन्म: 20 जुलाई 1965, मुंबई

जेरू बिलिमोरिया भारत की एक सामाजिक उद्यमी हैं, जो बच्चों और युवाओं की मदद करने के लिए जानी जाती हैं। मुंबई में जन्मी, उन्होंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज और बाद में न्यूयॉर्क में न्यू स्कूल फॉर सोशल रिसर्च में पढ़ाई की। जेरू ने कई संगठनों की स्थापना की, जिनमें चाइल्डलाइन इंडिया शामिल है, जो जरूरतमंद बच्चों के लिए एक निःशुल्क हेल्पलाइन प्रदान करता है, और अफलातून, जो बच्चों को पैसे और बचत के बारे में सिखाता है। उनके काम ने दुनिया भर के लाखों बच्चों की मदद की है। जेरू को उनके प्रयासों के लिए विश्व स्तर पर पहचाना जाता है और सामाजिक कार्यों में उनके योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं।

केमिकल पील के इस्तेमाल से पहले इन बातों का रखें ख्याल

वरना आपकी स्किन हो सकती है डैमेज

हम सभी अपनी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए स्किन केयर रूटीन फॉलो करते हैं। आज के समय में हेल्दी और ग्लोइंग त्वचा पाने के लिए घरेलू नुस्खों से लेकर स्किन में इंजेक्शन लगवाने तक में पीछे नहीं हटते हैं। वहीं सोशल मीडिया के इस जमाने में अब ज्यादा जानकारी लोगों तक पहुंच रही हैं। पहले जहां लोगों को सिर्फ इतना पता होता था कि हार्मोन में बदलाव के कारण पिंप्ल्स और एक्ने की समस्या होती है। कम पानी पीने से चेहरे का ग्लो गायब हो जाता है। वहीं आज के समय में हमें मालूम है कि चेहरे के दाग-धब्बे और एक्ने भी अलग-अलग तरह के होते हैं। हालांकि सोशल मीडिया के जरिए हम सभी ने आधा-अधूरा ज्ञान तो खूब बटोरा है। लेकिन आपने एक कहावत तो जरूर सुनी होगी कि आधा-अधूरा ज्ञान विनाशकारी होता है। बता दें कि भले ही आप निखार पाने के लिए केमिकल पील का इस्तेमाल करती हों, लेकिन इसके बार में आपको सही जानकारी होना बेहद जरूरी है। जैसे त्वचा पर कौन सा एसिड किस तरह से काम करता है और पील का इस्तेमाल किस तरह से करना चाहिए।

केमिकल पील

डेड स्किन और बढ़ती उम्र की वजह से स्किन को कई तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण एक्ने, दाग-धब्बे, झुर्रियां या फिर असमान स्किन टोन और स्किन टेक्सचर का खराब हो जाना शामिल है। इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए हम पुराने समय से उबटन का सहारा लेते आए हैं। लेकिन इससे त्वचा की गहराई से सफाई नहीं हो पाती है। ऐसे में निखार पाने के लिए केमिकल पील की जरूरत होती है। जिसको डर्मेटोलॉजिस्ट द्वारा किया जाता रहा है। बता दें कि यह केमिकल पील हमारी स्किन की परतों में गहराई से उतरता है और डेड स्किन को हटाकर नई कोशिकाओं को बनने में मदद करता है। इसकी मदद से हमारी स्किन धीरे-धीरे ठीक होने लगती है और त्वचा का निखार वापस आने लगता है। समय की कमी और मार्केट में मिलने वाले ऑप्शन के कारण लोगों ने घर पर ही केमिकल पील का इस्तेमाल करना शुरूकर दिया है। लेकिन इसके इस्तेमाल से पहले विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। डर्मेटोलॉजिस्ट के अनुसार, घर पर केमिकल पील का इस्तेमाल करने के दौरान एसिड की मात्रा कम रखी जाती है। जिससे कि यह त्वचा को नुकसान न पहुंचाए। लेकिन आपको अपनी स्किन के बारे में अच्छे से जानकारी होनी चाहिए। साथ ही पील का इस्तेमाल कब और कैसे करना है, इस बारे में भी जानकारी रखें। पील का इस्तेमाल करने से पहले आप डर्मेटोलॉजिस्ट से इस बारे में परामर्श भी कर सकती हैं।

स्किन का रखें खास ख्याल

केमिकल पील का इस्तेमाल करने के दौरान ध्यान रखें कि इसमें केमिकल होता है। ऐसे में अगर आपने इसको अप्लाई करने के दौरान जरा भी लापरवाही बरती, तो यह आपके पूरे फेस को खराब कर सकता है। इससे बचने के लिए अपनी स्किन का प्रकार जानें और फिर स्किन की समस्या को समझें। अगर आपकी स्किन ऑयली से कॉम्बिनेशन है, तो आप एएचए और बीएचए वाले पील का इस्तेमाल कर सकती हैं। वहीं ड्राई या संवेदनशील स्किन के लिए आप एंजाइम पील का इस्तेमाल कर सकती हैं। लेकिन आपकी त्वचा कैसी है, इसके बारे में आपको डर्मेटोलॉजिस्ट से मिल सकती है।

स्किन को करें तैयार

पील का इस्तेमाल करने से पहले आपको स्किन को भी इसके लिए तैयार करना होता है। इसके लिए आप अपनी स्किन को अच्छे से साफ करें। पील का इस्तेमाल करने से पहले स्किन पर मेकअप या फिर अन्य किसी तरह का प्रोडक्ट नहीं होना चाहिए। ऐसे किसी क्लींजर का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, जिससे स्किन पर दबाव न पड़े। फिर स्किन को ठंडक देने के लिए आप एलोवेरा या ग्लिसरीन का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद आप फेस पर पील का इस्तेमाल कर सकती हैं। पील से 48 घंटे पहले तक रेटिनॉल का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसका इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें। अगर पील का इस्तेमाल करने से पहले लगातार जलन बनी रहती है या फेस लाल हो जाता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर को दिखाना चाहिए। साथ ही पील से पहले ब्लीच का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

शॉर्ट बालों के लिए ट्रेंडी हेयर स्टाइल

छोटे बाल सिर्फ़ स्टाइल का ऑप्शन नहीं हैं, बल्कि क्रिएटिविटी और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का एक कैनवास हैं। स्लीक बॉब से लेकर प्लेफुल पिक्सी कट तक, छोटे बालों के लिए इंडियन हेयरस्टाइल लेटेस्ट ट्रेंड को पारंपरिक अंदाज़ के साथ मिलाते हैं। यहां शॉर्ट हेयर के लिए कुछ पॉपुलर और स्टाइलिश इंडियन हेयर स्टाइल दिए गए हैं।

लेयर्ड शॉर्ट हेयर

छोटे बालों में लेयर जोड़ने से इसे ज्यादा वॉल्यूम और मूवमेंट मिलता है। यह उन लोगों के लिए एकदम सही है जो थोड़ा टेक्सचर चाहते हैं।

पिक्सी कट

एक बोल्ड और ट्रेंडी विकल्प, पिक्सी कट को बनाए रखना आसान है और इसे कम से कम प्रयास के साथ स्टाइल किया जा सकता है। स्टाइलिंग जेल की थोड़ी मात्रा के साथ थोड़ा वॉल्यूम या टेक्सचर जोड़ें।

बॉब कट

एक क्लासिक बॉब कट जो स्ट्रेट, वेवी और कर्ली हो सकता है। यह वर्सेटाइल है और ज्यादातर फेस पर सूट करता है।

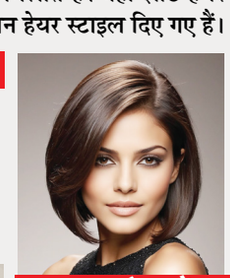

साइड-स्वेप्ट बैंग्स

शॉर्ट हेयरकट में साइड-स्वेप्ट बैंग्स जोड़ने से चेहरा खूबसूरती से फ्रेम हो सकता है और एक सॉफ्ट, फेमिनिन टच मिल सकता है।

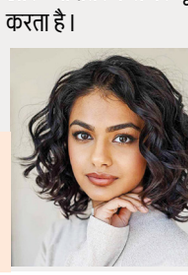

कर्ली बॉब

कर्ली बॉब के साथ नैचुरल कर्ल या वेव्स को अपनाया जा सकता है। यह स्टाइल भारतीय पारंपरिक आउटफिट और कैजुअल वियर के साथ बहुत अच्छा लगता है।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष रोजगार में वृद्धि होगी। संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। बड़ा लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रमाद से बचें। दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है। खर्चों में कमी करना होगी।

वृष राजकीय सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद से बचें। नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है। आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए।

मिथुन पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। दिन प्रतिकूल रह सकता है। सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे।

कर्क शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ अधिक होगी। थकान रहेगी। वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है। दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी। रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं।

सिंह रुके कार्य पूर्ण होंगे। मेहनत सफल रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा। बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा।

कन्या बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। जोखिम न लें। आवास संबंधी समस्या रहेगी। रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा। पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा।

तुला नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। व्यावसायिक समस्याओं का हल आपके माध्यम से हो सकेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। दूसरों से व्यर्थ में न उलझें।

वृश्चिक चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

धनु चोट व दुर्घटना से बचें। लेन-देन में सावधानी रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवाद न करें। आर्थिक समस्या रह सकती है। नए कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मकर जना फलीभूत होगी। घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी। कार्यसिद्धि होगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं। जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ।

कुंभ राजकीय सहयोग मिलेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। अध्यात्म में रुचि रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा। जीवनसाथी की उन्नति सामाजिक सम्मान को बढ़ाएगी।

मीन फालतू खर्च होगा। तनाव रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं।

भगवान गणपति के मंत्र बच्चों को कैसे लाएंगे सही मार्ग पर?

शुक्ल पक्ष के बुधवार के दिन सुबह के समय जल्दी उठें और स्नान करके साफ वस्त्र धारण करें। भगवान गणपति की फोटो को पूर्व दिशा की तरफ मुंह करके रखें. उनके सामने गाय के घी का दिया जलाएं और लाल फल भी रखें। एक तांबे के लोटे में जल भरकर रखें और रुद्राक्ष की माला सेॐ सद्बुद्धि प्रदायै नमः* मंत्र का 5 माला जाप करें। जाप के बाद भगवान गणपति को लाल फल अर्पण करें और वह जल अपने बच्चों को जरूर पिलाएं। इन मंत्र को जपने से नौकरी और व्यापार में परेशानी खत्म होगी।सुबह के समय स्नान करके साफ हल्के लाल या पीले कपड़े पहनें।भगवान गणपति के चित्र को लाल रंग का कपड़ा बिछाकर रखें। भगवान गणेश की पूजा करते समय पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ मुंह करें।भगवान गणपति के सामने दीया जलाएं और लाल गुलाब के फूल भगवान गणपति चढ़ाएं। पूजा में तिल के लड्डू गुड़, रोली, मोली, चावल, फूल, तांबे के लोटे में जल, धूप, प्रसाद के तौर पर केला और मोदक रख लें।

भगवान गणपति के सामने धूप दीप जलाकर निम्न मंत्र पढ़ें। 'गजाननं भूतगणादि सेवितं ,कपिथ जंबू फलम चारू भक्षणम।* उमासुतं शोक विनाशकारकम, नमामि विघ्नेश्वर पाद पंकजम'

प्रियंका जैन
9769994439

यह मंत्र कम से कम 108 बार जरूर पढ़ें. इससे नौकरी, व्यापार आदि में लाभ जरूर होगा।
रुके हुए धन को प्राप्त करने का महामंत्र भगवान गणपति के पीले रंग की मूर्ति को स्थापित करें। हर रोज पीले मोदक चढ़ाएं।
पीले आसन पर बैठकर ॐ हेरम्बाय नमः मन्त्र का 108 बार जाप करें।
यह प्रयोग लगातार 27 दिन तक करें।
रुका हुआ पैसा आपको जरूर प्राप्त होगा।
गणेश जी से पाएं मनचाहा वरदानः- बुधवार के दिन से 27 हरी दूर्वा की पत्तियां एक कलावे से बांधकर प्रतिदिन गणेश जी को चढ़ाएं और 'वक्रतुण्डाय हुं' मन्त्र का 27 बार जाप करें।
ऐसा लगातार 27 दिन तक करें मनचाहा वरदान अवश्य मिलेगा और भगवान गणपति के किसी भी स्तोत्र को अवश्य पढ़ें।

खबर संक्षेप

पुलिस सब इंस्पेक्टर को पिकअप वैन ने मारी टक्कर, मौके पर हुई मौत

जामताड़ा। जामताड़ा जिले के मिहिजाम में एक पिकअप वैन और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान जनेंद्र रजक(30) के रूप में हुई है। मृतक जनेंद्र रजक मिहिजाम के अमोई चौक के निकट स्पेशल ब्रांच में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात था। जानकारी के मुताबिक सब इंस्पेक्टर जनेंद्र रजक सोमवार को अपनी बाइक से जामताड़ा जिला मुख्यालय जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही एक पिकअप वैन ने उनकी बाइक को जोरदार ठोकर मार दी। जिससे जनेंद्र कुमार रजक के सर में गंभीर चोट लगी। सिर पर लगी गंभीर चोट के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद मिहिजाम पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए जामताड़ा सदर अस्पताल भेजा।

एसपी के घर से चोरी हुई बाइक

जालोर। पुलिस अधीक्षक जालोर के निवास पर पहरे में तैनात कांस्टेबल की बाइक चोरी हो गई। कांस्टेबल जीतसिंह ने कोतवाली थाने में मामला दर्ज करवाया है। मामले के अनुसार पुलिस लाइन जालोर निवासी जीतसिंह ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि 7 जुलाई को पुलिस अधीक्षक निवास पर संतरी के रूप में पहरा दे रहा था। शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक उसकी ड्यूटी थी। ड्यूटी के दौरान जालोर एसपी आवास के आगे खुद की बाइक को खड़ा किया। शाम 7.25 बजे बाहर आकर देखा तो बाइक मौजूद नहीं थी। काफी तलाशी करने पर भी जानकारी नहीं मिली। पुलिस ने मामला दर्ज करने के साथ जांच शुरु की। बता दें इससे पूर्व चुनाव ड्यूटी के दौरान भी पुलिस स्टाफ की बाइक चोरी हुई थी।

पडोसी गांव के ही निकले भाजपा नेता यासीन के हत्यारे

अलवर। भाजपा कार्यकर्ता यासीन खान पहलवान की निर्मम हत्या मामले में नारायणपुर पुलिस ने घटना के तीन दिन बाद खुलासा कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि भाजपा नेता यासीन के पडोसी गांव के ही है हत्यारे। पूर्व से चल रही रंजिश को लेकर हत्या की घटना को अंजाम दिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बेलाका निवासी अकरम के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने यासीन की हत्या के लिए कई दिनों से योजना बनाई हुई थी। मृतक यासीन के परिवारजन व आरोपियों के बीच पूर्व में भी मारपीट की घटना हो चुकी है। यासीन की हत्या की घटना के बाद पुलिस ने उसके घर की चौकसी बढ़ा दी थी। पुलिस ने बताया आरोपियों ने यासीन की गाड़ी में जीपीएस लगाया था।

शर्मनाक ! सड़क-एंबुलेंस के अभाव में खटिया पर ले जाना पड़ा अस्पताल

रास्ते में ही आदिवासी महिला ने तोड़ा दम

एजेंसी । महुआडांड़

झारखंड के लातेहार जिला के बसेरिया गांव में सड़क नहीं होने के कारण इलाज के अभाव में एक 45 वर्षीय आदिवासी महिला कि मौत हो गई। सोमवार की सुबह बसेरिया निवासी रेमिश मिंज की पत्नी शांति कुजूर बीमार थी। सोमवार की सुबह जब महिला की हालत गंभीर हुई तब परिवार के लोग उसे खटीया की बहंगी बनाकर कंधे में ढोकर ला रहे थे। लेकिन महिला को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका जहां रास्ते में उसकी मौत हो गई।

खटिया में पीड़ित को ले जाने का वीडियो वायरल

संबंधित घटना के वीडियो में तीन व्यक्ति खटिया को लकड़ी और रस्सी की मदद से कंधे में टांग कर पैदल अस्पताल ले जा रहे हैं। यह वीडियो सभी सरकारी दावों की पोल खोलता है। सरकारें चीख-चीख कर विकास करने का दंभ भरती है लेकिन ये सभी वास्तविकता से परे है। झारखंड में सुविधाओं के अभाव में यह पहली मौत नहीं है। इससे पहले भी कई बार लोगों को अस्पताल, एंबुलेंस और सड़क के अभाव में जान से हाथ धोना पड़ा है।

सुविधाओ की बात करें तो

दूरूप पंचायत का गांव बसेरिया की जनसंख्या 200 से अधिक है। यह गांव आदिवासी बहुल है, लेकिन सड़क विहिन है। बसेरिया गांव में अन्य सुविधाओं की बात करें तो न यहां स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था है, न बिजली पहुंची है। बिजली के पोल तक नही गाड़े गए हैं। पेयजल के लिए कुंआ के पानी पर लोग निर्भर हैं। दूरूप पंचायत के मेन रोड से छह किलोमीटर दूर बसरिया गांव बसा है। यह गांव चारों ओर से घने जंगलों से घिरा हुआ है। ग्रामीण पगडंडी के रास्ते आते-जाते हैं। बरसात में बाईक एवं साईकिल तक गांव नहीं पहुंचता है। खेत एवं ताड़ पर पैदल चलना तक खतरनाक होता है। गांव पहुंचने से पहले एक पहाड़ी नदी भी पड़ती है जिसे लोगों को पार कर गांव जाना पड़ता है।

दुरूप पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य धर्मेंद्र सिंह कहते है

कई दशको से गांव के लोग सड़क की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार एवं जिला प्रशासन ने इसपर कोई ध्यान नहीं दिया। आज अगर सड़क बनी होती तो महिला की मौत इलाज के अभाव में नहीं होती। इस गांव के लोग बरसात आने से पहले खाने पीने की सामग्री लेकर घर में रखते हैं। क्योंकि अधिक बारिश होने से वो गांव में महीने भर कैद हो जाते है। बच्चे स्कूल तक नहीं जा पाते है। बारिश में कुंआ का पानी दूषित हो जाता है और उसे पीकर लोग बीमार भी पड़ते हैं।

क्या कहते हैं ग्रामीण ?

गांव के अमित कुजूर पीटर तिर्की, संजय सिंह, बिगन नागेसिया, रविन्द्र सिंह, जोसेफ तिर्की, विनोद सिंह कहते हैं कोई गंभीर मरीज को इलाज के लिए जब गांव से मेन रोड तक लाना पड़े तो कंधे पर ढो कर ले जाते हैं। ग्राम सभा में हमेशा सड़क की मांग होती है। कई आवेदन भी दिया गया है। मुखिया को आवेदन देते रहते हैं फिर भी सड़क नही मिल पा रही है।

क्या कहती हैं दूरूप पंचायत की मुखिया

मुखिया उषा खलखो कहती हैं इस गांव के लिए सड़क बहुत जरूरी है। मेरे फंड में इतना पैसा नहीं आता है कि इतनी लंबी सड़क बनाए जाये। साथ ही ग्रामीण और वन विभाग की भूमि का भी मसला है। इसे लेकर जिले को कई बार आवेदन लिख चुकी हूं। सड़क बनाने को लेकर मैं प्रयासरत हूं।

130 शिक्षक संकुलों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

ऑनलाइन हाजिरी का किया विरोध

पीलीभीत। शासन के ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के आदेश के बाद शिक्षकों का विरोध तेज होता जा रहा है। पीलीभीत में सोमवार को अमरिया, मरौरी और बरखेड़ा ब्लॉक के 130 शिक्षक संकुलों ने सामूहिक रूप से बीईओ को अपना इस्तीफा सौंपा। शिक्षक शासन के इस आदेश को लेकर किसी भी कीमत पर पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे हैं। बेसिक स्कूलों में शासन ने आठ जुलाई से ऑनलाइन उपस्थिति को अनिवार्य कर दिया है। यही नहीं 12 रजिस्टरों को भी ऑनलाइन कर दिया गया है। शासन के इस आदेश को लेकर शिक्षकों का पूरे प्रदेश में विरोध चल रहा है। मांगों को लेकर शिक्षकों के सभी संगठन एक मंच पर आ गए हैं। अभी तक शिक्षक इसका अपने स्तर से विरोध कर रहे थे।

बीएसए को भेजी गई रिपोर्ट

सोमवार को शिक्षक संकुलों की ओर से इस्तीफा देने का जिले में दौर शुरू हुआ। सबसे सबसे पहले अमरिया ब्लॉक के 46 शिक्षक संकुलों ने सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा बीईओ सत्यदेव को सौंपा। बीईओ का कहना है कि शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध कर रहे हैं। इसी के चलते इस्तीफा दिया। इसकी रिपोर्ट बीएसए को भेजी जा रही है। अमरिया के बाद बरखेड़ा के 42 और मरौरी के भी 42 शिक्षक संकुलों ने सामूहिक रूप से अपना इस्तीफा दे दिया। मरौरी ब्लॉक में कुछ एआरपी भी शामिल हैं। प्रभारी जिला बेसिक शिक्षाधिकारी विजय वीरेंद्र सिंह ने बताया कि उनके पास अभी अमरिया के शिक्षक संकुलों की रिपोर्ट आई है।

विद्यालय में दो घंटे कैद रहा मासूम

शिक्षकों ने बिना देखे स्कूल कर दिया बंद

एजेंसी । प्रयागराज

प्रयागराज में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। शिक्षकों ने विद्यालय जल्दी बंद करने के चक्कर में एक बच्चे को स्कूल में ही छोड़ दिया और बाहर से ताला लगाकर चले गए। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर ग्रामीण पहुंच गए। बीएसए से इसकी शिकायत की गई। बीएसए की फटकार के बाद पहुंचे विद्यालय के शिक्षकों ने गेट खोला तब जाकर बच्चा बाहर आ सका। इससे अभिभावकों में शिक्षकों के प्रति गहरी नाराजगी है। इसको अक्षम्य मानते हुए बीएसए ने प्रभारी प्रधानाध्यापक को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। मामला मेजा विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय लोहरा का है। सोमवार को विद्यालय के स्टाफ ने समय से आधे घंटे पहले ही विद्यालय बंद कर दिया। बच्चों को बताया गया कि वह डिजिटल अटेंडेंस के खिलाफ आयोजित धरना प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जा रहे हैं। विद्यालय से बच्चों की छुट्टी कर दी गई और स्कूल में बाहर से ताला लगा दिया गया। कुछ देर बाद स्कूल के अंदर से बच्चे के रोने और चीखने चिल्लाने की आवाज आई ग्रामीण जुट गए।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

इसी दौरान किसी ने स्कूल में कैद बच्चे का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। घटना की जानकारी बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी को भी दी गई। बीएसए की फटकार के बाद स्कूल पहुंचने शिक्षकों ने ताला खोला तब जाकर बच्चे को बाहर निकाला जा सका। बीएसए ने प्रभारी प्रधानाध्यापक को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। मामले की जांच कराने की बात कही जा रही है।

छह करोड़ के ब्राउन शुगर के साथ छह तस्कर गिरफ्तार

हजारीबाग। नशे के सौदागरों के खिलाफ झारखंड पुलिस की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में सोमवार को हजारीबाग पुलिस ने छह करोड़ रुपए से अधिक के ब्राउन शुगर के साथ छह तस्करों को गिरफ्तार किया है। एनएच-33 हजारीबाग-बरही पथ स्थित नगवां के समीप लक्ष्मी लाइन होटल के पास से इन्हें पकड़ा गया है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स एवं हजारीबाग पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में ये कामयाबी मिली है। सदर एसडीपीओ कुमार शिवाशीष ने पत्रकारों को ये जानकारी दी। हजारीबाग के सदर एसडीपीओ कुमार शिवाशीष ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों में चतरा जिले के पत्थलगड्डा थाना क्षेत्र के बरवाडीह निवासी मो खालिद (पिता मो युनूस), चतरा सदर थाना क्षेत्र के आजाद मुहल्ला के मो नुरूल्ला (पिता मो जसीमुद्दीन), सिमरिया थाना क्षेत्र के तपसागेडवा गांव के बलराम कुमार (पिता सिद्धार्थ शंकर दांगी), लोहागड्डा के सुरेश दांगी (पिता इंद्रदेव दांगी), बरवाडीह के विजय कुमार दांगी (पिता विशेश्वर दांगी) एवं मो सलाउद्दीन (पिता मो रउफ) शामिल हैं।

व्यापार जगत

छह क्षेत्रों की बदौलत बढ़ा भारत का निर्यात

जून में भारत का निर्यात 5.40 प्रतिशत बढ़ा

इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक गुड्स समेत कई क्षेत्रों के निर्यात में आई तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय वस्तुओं और सेवाओं की विदेशों में तेजी से मांग बढ़ रही है। वाणिज्य मंत्रालय का मानना है कि चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल से जून) के बीच भारत का निर्यात 200 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक रहा है, जिसको देखकर लगता है कि इस वित्तीय वर्ष में निर्यात का आंकड़ा 800 बिलियन डॉलर के पार जा सकता है, जिसमें छह क्षेत्रों की अहम भूमिका रहेगी।

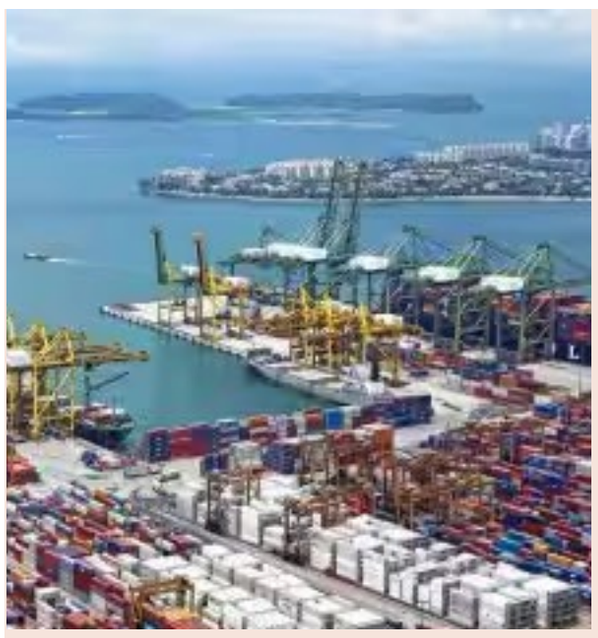

निर्यात से संबंधित आंकड़े हुए जारी

सोमवार को निर्यात से आंकड़े जारी करते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि मौजूदा रुख को देखते हुए वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। भारत ने छह प्रमुख क्षेत्रों को चिन्हित किया है, जिसमें सबसे ज्यादा निर्यात हो रहा है। इनमें इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, टैक्सटाइल, फॉर्मास्यूटिकल, केमिकल एवं प्लास्टिक और फूड प्रोसेसिंग गुड्स एवं उत्पाद शामिल हैं। यूरोप में नीरदलैंड, जर्मनी, इटली, बेलजियम समेत दुनिया के अन्य देशों के साथ कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। कुल 20 देशों में भारतीय सेवाओं और वस्तुओं की मांग में इजाफा देखने को मिल रहा है। इसलिए भारत सरकार का फोकस भी इन्हीं देशों पर सबसे ज्यादा है। बीते तिमाही में भारत ने 200.33 अमेरिकी बिलियन डॉलर का निर्यात किया है। जबकि बीते वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 184.46 बिलियन डॉलर का रहा था। अकेले जून की बात करें तो बीते वर्ष निर्यात 62.12 बिलियन का निर्यात किया गया था जो इस बार बढ़कर 65.47 बिलियन डॉलर का रहा है। इस तरह से बीते वर्ष की समान अवधि के मुकाबले इसमें भी 5.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। आयात की बात करें तो बीते वर्ष जून 69.12 बिलियन डॉलर का रहा था जो बीते महीने 73.47 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया है।

निफ्टी ने 24,635 का हाई बनाया, सेंसेक्स भी 145 अंक चढ़ा

एजेंसी । मुंबई

निफ्टी ने 15 जुलाई को लगातार दूसरे कारोबारी दिन ऑल टाइम हाई बनाया है। कारोबार के दौरान इसने 24,635 का स्तर छुआ। हालांकि इसके बाद ये थोड़ा नीचे आया और 84 अंक चढ़कर 24,586 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स में भी 145 अंक की बढ़त रही। ये 80,664 के स्तर पर बंद हुआ। ये इसका ऑल टाइम क्लोजिंग हाई है। आज बैंकिंग, एनर्जी और ऑटो शेयर्स में ज्यादा तेजी रही। इससे पहले शुक्रवार यानी 12 जुलाई को शेयर बाजार ने अपना ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

एशियाई बाजारों में रहा मिला-जुला कारोबार

- एशियाई बाजारों में आज मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। हांगकांग के हैंगसेंग में 1.52% की गिरावट रही। हालांकि, चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.09% की तेजी रही। वहीं जापान का शेयर मार्केट आज बंद है।
- SBI, NTPC, ITC, अल्ट्राटेक सीमेंट, M&M, कोटक बैंक और बजाज फाइनेंस ने बाजार को ऊपर खींचा। ICICI बैंक, एक्सिस बैंक, इंफोसिस, TCS और एशियन पेंट्स ने बाजार को नीचे खींचा।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का शुद्ध लाभ 47 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी । नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र का चालू वित्त वर्ष पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 47 प्रतिशत बढ़कर 1,293 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। गैर-निष्पादित आस्तियों में कमी तथा ब्याज आमदनी बढ़ने से बैंक का मुनाफा बढ़ा है। पुणे के इस बैंक ने 2023-24 की अप्रैल-जून तिमाही में 882 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। तिमाही के दौरान उसकी कुल आय बढ़कर 6,769 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले समान तिमाही में 5,417 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक की ब्याज आय 4,789 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,875 करोड़ रुपये रही।

सेबी सात कंपनियों की 19 संपत्तियों की करेगा नीलामी

नई दिल्ली। सेबी मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, सन प्लांट बिजनेस लिमिटेड और सुमंगल इंडस्ट्रीज समेत सात कंपनियों की 19 संपत्तियों की 12 अगस्त को नीलामी करेगा। यह कदम इन कंपनियों द्वारा निवेशकों से अवैध रूप से एकत्र की गई धनराशि को वसूलने के सेबी के प्रयासों का हिस्सा है। सेबी ने सुमंगल इंडस्ट्रीज, सनहेवन एग्रो इंडिया, रविकिरण रियल्टी इंडिया, मंगलम एग्रो प्रोडक्ट्स, पुरुषत्तम इन्फोटेक इंडस्ट्रीज, जीवन साथी ड्रीम प्रोजेक्ट्स और सन प्लांट बिजनेस तथा उनके प्रवेतर्कों/निदेशकों के खिलाफ वसूली कार्यवाही में संपत्तियों की बिक्री के लिए बोलियां आमंत्रित कीं।

जोमैटो के CEO दीपिंदर गोयल बने बिलेनियर

कंपनी का शेयर 3% बढ़कर 232 के रिकॉर्ड हाई पर

प्लेटफॉर्म फीस बढ़ने से शेयर्स चढ़े

एजेंसी । मुंबई

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को ऑल टाइम हाई बनाया। कारोबार के दौरान कंपनी का शेयर 3% से ज्यादा की तेजी के साथ 232 रुपए के हाई पर पहुंचा। इसके साथ ही जोमैटो के फाउंडर और CEO दीपिंदर गोयल की कंपनी में हिस्सेदारी की वैल्यू अब 1 बिलियन डॉलर से ज्यादा की हो गई है। कारोबार बंद होने पर भी जोमैटो का शेयर 3.05% की तेजी के साथ 229.25 रुपए पर बंद हुआ। एक दिन पहले कंपनी ने प्लेटफॉर्म फीस में 20% के इजाफे का ऐलान किया था। इस वजह से ही कंपनी के शेयर में यह तेजी देखने को मिल रही है।

गोयल के 36.94 करोड़ शेयरों की कीमत 1 बिलियन डॉलर हुई

मार्च तिमाही के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार, गोयल के पास जोमैटो के 36,94,71,500 शेयर थे, जो कंपनी में 4.26% हिस्सेदारी के बराबर है। BSE पर कंपनी का शेयर आज 232 रुपए के हाई पर पहुंचा, इसके साथ ही गोयल के 36.94 करोड़ शेयरों की कीमत 8,571.74 करोड़ रुपए यानी 1.02 बिलियन डॉलर हो गई है।

जोमैटो के शेयर ने एक साल में 170% का रिटर्न दिया

जोमैटो के शेयर ने पिछले 5 दिन में 8.08%, एक महीने में 20.21%, 6 महीने में 69.96% और एक साल में 182.88% का रिटर्न दिया है। कंपनी ने जनवरी से अब तक शेयरहोल्डर्स को 69.96% का रिटर्न दिया है। जोमैटो का मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.97 लाख करोड़ रुपए है।

मिकेल के गोल से 12 साल बाद फिर किया खिताब पर कब्जा, इंग्लैंड का पहली बार चैंपियन बनने का सपना तोड़ा

स्पेन ने रिकॉर्ड चौथी बार यूरो कप जीता

05 बार स्पेन की टीम फाइनल में पहुंची, चार बार चैंपियन बनी

02 बार फाइनल में पहुंची इंग्लैंड की टीम, दोनों बार हार झेलनी पड़ी

एजेंसी । बर्लिन

तीन बार की चैंपियन स्पेन की टीम ने यूरोपीय फुटबॉल में 12 साल के बाद फिर अपनी बादशाहत साबित कर दी। उसने रविवार रात खेले गए रोमांचक फाइनल में इंग्लैंड को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार यूरो कप खिताब पर कब्जा किया। स्पेन ने इससे पहले 1964, 2008 और 2012 में यूरो खिताब जीता है। इस यूरो में स्पेन ने सातों मैच जीते और एक टूर्नामेंट में सर्वाधिक 15 गोल करने का रिकॉर्ड बनाया।

58 साल से इंतजार

दूसरी ओर इस हार के साथ इंग्लैंड का 1966 के बाद पहला खिताब जीतने का सपना चकनाचूर हो गया। फुटबॉल के जनक इंग्लैंड ने 1966 विश्व कप के बाद कोई बड़ा खिताब नहीं जीता है। जर्मनी में 1936 ओलंपिक के लिए बनाए गए इस स्टेडियम में ट्रॉफी थामे स्पेन के खिलाड़ियों और आसमान में होती आतिशबाजी को इंग्लैंड के खिलाड़ी मायूस निगाहों से देखते रहे। टीम दो बार फाइनल में पहुंची लेकिन ट्रॉफी उठाने में नाकाम रही है। इंग्लैंड को इससे पहले 2020 में फाइनल में इटली ने पेनल्टी शूटआउट में हराया था। इस हार से उसके सारे जख्म फिर हरे हो गए और ट्रॉफी का इंतजार भी लंबा हो गया।

शुरू से दबदबा रहा

टूर्नामेंट में शुरू से आखिर तक स्पेन का दबदबा रहा। टीम ने फाइनल में 86वें मिनट में मिकेल ओयारजाबाल के गोल के दम पर खिताबी जीत दर्ज की। कप्तान अल्वारो मोराटा के विकल्प के तौर पर मैदान पर उतरे मिकेल ने बाएं विंग से मार्क कुकुरेला के पास को गोल में बदलकर मैच को अतिरिक्त समय में खिंचने से बचाया। इससे पहले 47वें मिनट में निको विलियम्स ने स्पेन को बढ़त दिलाई जबकि इंग्लैंड के स्थानापन्न खिलाड़ी कोल पामर ने 73वें मिनट में बराबरी का गोल किया। टूर्नामेंट के सबसे युवा खिलाड़ी लामाइन यामल ने विलियम्स के गोल में सूत्रधार की भूमिका निभाई।

यामल-विलियम्स बने स्टार

शनिवार को 17वां जन्मदिन मना चुके यामल की मां गिनीया से और पिता मोरक्को से हैं जबकि विलियम्स के माता पिता घाना के हैं जो बेहतर जीवन की तलाश में यूरोप आ बसे थे। स्पेन पहुंचने के लिए वे खचाखच भरे ट्रक में लदकर और सहारा रेगिस्तान पैदल पार करके पहुंचे थे। विलियम्स का भाई इनाकी घाना के लिए खेलता है लेकिन उसने स्पेन को चुना अब पूरे देश का हीरो बन गया है।

यामल को सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार

स्पेन फुटबॉल की नई सनसनी लामाइन यामल को उनके 17वें जन्मदिन के एक दिन बाद यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। वह यूरो चैंपियनशिप खेलने वाले, इसमें गोल करने वाले और फाइनल खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने। बार्सिलोना के लिए खेलने वाले यामल के आदर्श लियोनेल मेसी हैं। वह स्पेनिश लीग में भी गोल करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने एक गोल किया और चार में मदद की। इसके अलावा यूएफा ने स्पेन के मिडफील्डर रोड्री को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना।

हैरी केन और दानी ओल्मो समेत छह को 'गोल्डन बूट

बर्लिन। इंग्लैंड के स्ट्राइकर और कप्तान हैरी केन समेत छह खिलाड़ियों ने सर्वाधिक तीन गोल करके गोल्डन बूट जीता। केन के अलावा स्पेन के दानी ओल्मो, जर्मनी के जमाल मुसियाला, नीदरलैंड्स के कोडी गाकपो, स्लोवाकिया के इवान शरांज और जॉर्जिया के जॉर्जेस एम ने भी तीन-तीन गोल किए। अगर कई खिलाड़ियों ने समान गोल किए हैं तो अब यूएफा उन्हें 'गोल्डन बूट पुरस्कार साझा करने की अनुमति देता है। पहले ऐसा नहीं था चूंकि पिछली बार पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और चेक गणराज्य के पैट्रिक शिक के पांच-पांच गोल थे लेकिन एक गोल में सूत्रधार की भूमिका निभाने के कारण रोनाल्डो को विजयी घोषित किया गया। केन लगातार दो यूरो फाइनल हारने की त्रासदी झेल चुके हैं। तीन साल पहले फाइनल में इटली से पेनल्टी शूट आउट में हारी टीम में भी वह थे। इसके अलावा चैम्पियंस लीग फाइनल और दो बार इंग्लिश लीग्स कप में भी वह फाइनल में पराजय झेल चुके हैं। केन यूरो और विश्व कप में सर्वाधिक गोल करने वाले चार पुरुष खिलाड़ियों में हैं। उन्होंने 2018 विश्व कप में यह कमाल किया था।

"मुझे इससे बेहतर जन्मदिन का तोहफा नहीं मिल सकता था। सपना सच हो गया।
- यामल

"मेरे माता-पिता ने मुझे यहां तक पहुंचाने के लिए काफी कुछ झेला है। मैं खुश हूं कि मैंने इतिहास रच दिया।
- विलियम्स

इंग्लैंड और स्कॉटलैंड दौरे पर नहीं जाएंगे कमिंस

एजेंसी । मेलबर्न

विश्व कप विजेता कप्तान पैट कमिंस कार्यभार प्रबंधन के तहत ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के आगामी इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाएंगे जबकि मिचेल स्टार्क टी-20 सीरीज नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया को सितंबर में स्कॉटलैंड से तीन टी-20 और इंग्लैंड से पांच वनडे मैच खेलने हैं।

मार्श टीम के कप्तान

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि यह पहले से तय था कि अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के मद्देनजर कार्यभार प्रबंधन के तहत कमिंस नहीं खेलेंगे। मिचेल मार्श टीम के कप्तान होंगे। युवा बल्लेबाज जैक फ्रेजर मैकगर्क को वनडे और टी-20 दोनों टीमों में जगह मिली है। ऑस्ट्रेलिया 50 ओवरों के प्रारूप में विश्व कप चैंपियन है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप खिताब भी जीता है लेकिन टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल में नहीं पहुंचा।

टी-20 टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्लेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जैक फ्रेजर मैकगर्क, कैमरन ग्रीन, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्कस स्टोइनिस, एडम जांपा।

वनडे टीम

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, जैक फ्रेजर मैकगर्क, आरोन हार्डी, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, एडम जांपा।

टेस्ट और वनडे खेलते रहेंगे रोहित

एजेंसी । डलास

पिछले महीने विश्व कप जीतने के बाद टी-20 क्रिकेट को अलविदा कह चुके भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह कम से कम और कुछ वक्त टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेलते रहेंगे। 37 वर्ष के रोहित ने सोमवार को यहां एक समारोह में कहा, मैंने कहा है कि मैं बहुत आगे की नहीं सोचता। कम से कम कुछ समय तक तो आप मुझे खेलते देखेंगे। इससे पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि मौजूदा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सत्र और अगले साल फरवरी मार्च में चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित ही भारत के कप्तान होंगे। रोहित टी-20 विश्व कप 2022 में भारत के कप्तान थे जिसमें इंग्लैंड ने उसे सेमीफाइनल में हराया। एक साल बाद भारत में 50 ओवरों के विश्व कप के फाइनल में टीम ऑस्ट्रेलिया से हार गई। फिर रोहित की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले गए टी-20 विश्व कप 2024 में खिताबी जीत दर्ज की।

अर्जेंटीना की टीम 16वीं बार चैंपियन बनी

30 बार अर्जेंटीना की टीम फाइनल में पहुंची, 14 बार रनर-अप रही

28 मैचों से चला आ रहा कोलंबिया का अपराजेय अभियान रुका

05 सर्वाधिक गोल अर्जेंटीना के लौटारो मार्टिनेज ने टूर्नामेंट में किए

एजेंसी । मियामी गार्डंस

अर्जेंटीना ने फिर साबित कर दिया है कि क्यों उसे फुटबॉल की सर्वश्रेष्ठ टीम कहा जाता है। उसने सोमवार को कोपा अमेरिका के फाइनल में कोलंबिया को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी और कुल रिकॉर्ड 16वीं बार खिताब पर कब्जा कर लिया।

अतिरिक्त समय में जीता

अर्जेंटीना ने दूसरे हाफ में लियोनेल मेसी के पैर में लगी चोट से उबरते हुए अतिरिक्त समय में कोलंबिया को 112वें मिनट में लौटारो मार्टिनेज के गोल के दम पर शिकस्त दे दी। इसके साथ ही अर्जेंटीना ने कोलंबिया का फरवरी 2022 से चला आ रहा 28 मैचों का अपराजेय अभियान भी रोक दिया।

डि मारिया की विदाई

आखिरी सीटी बजने पर लड़खड़ाकर चलते दिखे मेसी ने अपने साथियों 36 वर्ष के निकोलस ओट्ठामेंडी और एंजेल डि मारिया को ट्रॉफी लेने बुलाया। डि मारिया अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने जा रहे हैं। तीनों एक-दूसरे के गले मिले। डि मारिया ने कहा, इसे बयां नहीं किया जा सकता।

मेसी के पैर में लगी चोट, टखने में सूजन

मियामी गार्डंस। अर्जेंटीना के सुपरस्टार 37 वर्षीय लियोनेल मेसी को कोपा अमेरिका फाइनल से जल्दी विदा लेनी पड़ी। 64वें मिनट में पैर में चोट के कारण वह बाहर हो गए और बाद में बेंच पर बैठे मेसी के दाएं पैर के टखने में काफी सूजन देखी गई। मेसी दौड़ते हुए गिरने से चोटिल हो गए। संभवत: अपना आखिरी कोपा अमेरिका खेल रहे मेसी ने टूर्नामेंट में एक गोल किया। मेसी जैसे ही गिरे, उन्होंने बेंच की तरफ देखा मानो उन्हें लग गया था कि अब टूर्नामेंट में आगे नहीं खेल सकेंगे। जब ट्रेनर आए तो उनकी मदद से दाएं पैर से जूता निकाला। आठ बार के बैलन डि ऑर विजेता मेसी ने मैदान से जाते समय कप्तान का आर्मबैंड निकाला और हताशा में जूता जमीन पर फेंका। इसके बाद सीट पर हथेलियों से चेहरा छिपाए बैठे रहे।

'फिर आई हसीन दिलरूबा' का टीजर हुआ रिलीज

तापसी पन्नू का नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड में भी अपनी एक खास पहचान बनाई है। पिछली बार उन्हें 2023 में शाहरुख खान के साथ फिल्म 'डंकी' में देखा गया था। आने वाले दिनों में तापसी अपनी कई फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करती दिखेंगी। 'फिर आई हसीन दिलरुबा' भी उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है, जिसके नए टीजर के साथ-साथ रिलीज तारीख भी सामने आ गई है।

9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी फिल्म

तापसी, विक्रांत मैसी और सनी कौशल की झलक दिखाते हुए फिल्म का नया टीजर नेटफ्लिक्स ने रिलीज कर दिया है। तापसी के पोस्टर पर लिखा है, '9 अगस्त को टपकेगा खून, आएगा कातिलाना मानसून।' विक्रांत के पोस्टर पर लिखा है, '9 अगस्त की हसीन रात दिलरुबा के साथ', वहीं सनी के पोस्टर पर लिखा है, '9 अगस्त को दिल पिघलेंगे, इश्क का जहर निगलेंगे।' टीजर के अंत में लिखा है, 'सबको इश्क का पाठ पठाने फिर आई हसीन दिलरुबा।'

2021 में आया था फिल्म का सीक्वल

'हसीन दिलरुबा' नेटफ्लिक्स पर 2021 में रिलीज हुई थी, जिसमें तापसी के साथ विक्रांत और अभिनेता हर्षवर्धन राणे ने अभिनय किया था। फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। इसके सीक्वल की शूटिंग दिसंबर, 2023 में पूरी हुई थी।

मुश्किलों में घिरे रकुल के भाई अमन प्रीत

बॉलीवुड अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह के भाई अमन प्रीत सिंह की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के दावों के मुताबिक उन्हें चार अन्य के साथ हैदराबाद पुलिस ने सोमवार को कथित ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया है।

बताया जा रहा है कि उन्हें साइबराबाद पुलिस के अधिकार क्षेत्र के तहत नारकोटिक्स ब्यूरो और राजेंद्र नगर एसओटी पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान के बाद ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस टीम ने ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया और 30 उपभोक्ताओं की पहचान की, जिनमें अमन प्रीत सिंह भी शामिल था।

रिपोर्ट्स की मानें तो अमन प्रीत सिंह के अलावा गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों की पहचान अनिकेत रेड्डी, प्रसाद, मधुसूदन और निखिल दमन के रूप में हुई है। सभी को मेडिकल जांच के बाद अदालत में पेश किया जाएगा।

साइबराबाद पुलिस, राजेंद्र नगर जोन के डीसीपी श्रीनिवास ने इस पर बात करते हुए कहा, ₹हमने पांच लोगों को उपभोक्ता के तौर पर पकड़ा और उन्हें पुलिस स्टेशन ले आए। यूरिन टेस्ट किट में सभी पॉजिटिव पाए गए।अब हम उन्हें विस्तृत मेडिकल जांच के लिए भेज रहे हैं।₹

इससे पहले रकुल प्रीत सिंह को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से 2022 और 2021 में ड्रग तस्करी और सेवन मामले में तलब किया जा चुका है। जांच एजेंसी ने पिछले साल भी इस सिलसिले में उनका बयान दर्ज किया था। ड्रग मामले में रकुल के अलावा राणा दग्गुबाती, चार्मी कौर, नवदीप, रवि तेजा और पुरी जगन्नाथ को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बनी इंडियन 2

कमल हासन की 'इंडियन 2' ने अपने पहले वीकेंड में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन अच्छा रहा। 'इंडियन 2' ने अपने शुरुआती सप्ताहांत में दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई कर ली है और यह 2024 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बन गई है, जिसने विजय सेतुपति की एक्शन फिल्म महाराजा को सिर्फ तीन दिनों में पछाड़ दिया है।

कमल हासन की इस फिल्म ने तीन दिनों में लगभग 109 करोड़ रुपये की कमाई की है। यह विजय सेतुपति की फिल्म से थोड़ा ज्यादा है, जिसने दुनिया भर में अपनी स्क्रीनिंग के दौरान लगभग 105 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

दरअसल, एस शंकर द्वारा निर्देशित इंडियन 2 ने मिश्रित से लेकर नकारात्मक प्रतिक्रियाओं के कारण सप्ताहांत में निरंतर गिरावट देखी, लेकिन दुनिया भर में 100 करोड़ को पार करने के लिए पर्याप्त कमाई की।

भारत में फिल्म ने अनुमानित 69 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की और विदेशों में इसने अनुमानित 40 करोड़ की कमाई की, जो कि दुनिया भर में 109 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई, जिसने महाराजा के 105 करोड़ रुपये की सकल कमाई को पछाड़ दिया। फिल्म के 69 करोड़ के घरेलू कलेक्शन में तमिलनाडु में अनुमानित 35.50 करोड़ रुपये और तेलुगु राज्यों में 17 करोड़ शामिल हैं।

'इनसाइड आउट 2' का शानदार प्रदर्शन जारी

पिछले कुछ वर्षों में एनिमेशन फिल्मों ने दर्शकों की एक बड़ी संख्या को अपनी ओर आकर्षित किया है। दर्शकों का एनिमेटेड फिल्मों की ओर झुकाव का एक कारण श्रीडी में उपलब्धता और रोचक कंटेंट भी हो सकता है।

एनिमेटेड फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। वैश्विक और अंतर्राष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर एनिमेशन फिल्मों का दबदबा लगातार जारी है। इस दौड़ में यूनिवर्सल इल्युमिनेशन की 'डेस्पिकेबल मी 4' सबसे आगे है। वहीं, दूसरी ओर 'इनसाइड आउट 2' पांच सेशन के बाद भी लगातार चल रही है। साथ ही रिलीज होने वाली फिल्मों के लिए एक उत्साहजनक संख्या भी देखी जा रही है, जो कि एनिमेशन फिल्मों के लिए अच्छा संकेत हैं। इस हफ्ते ही 'इनसाइड आउट 2' वैश्विक स्तर पर अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। वहीं, मिनियंस फ्रैंचाइजी वाली 'डेस्पिकेबल मी' वैश्विक स्तर पर 500 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने वाली पहली फिल्म बन गई है। इस बीच 'आईओ 2' एक अगस्त को जापान में प्रदर्शित होगी और 'फ्रोजन 2' से आगे निकल दुनिया भर में अब तक की सबसे बड़ी एनिमेटेड फिल्म बन सकती है।

बेबाक बोल | बगदाराम जे पुरोहित, उद्योगपति व फ़िल्म प्रोड्यूसर

गोधरा फिल्म में पता चलेगा दंगे होते क्यों हैं?

आज आपको मिला रहे हैं एक ऐसे व्यक्तित्व बगदाराम जे. पुरोहित से जिन्होंने अपने गांव डूंगरी, रानीवाड़ा जिला सांचौर, राजस्थान से निकलकर मुंबई शहर में अपनी अलग पहचान बनाई। 14 वर्ष की उम्र में गांव से खाली हाथ निकले बगदाराम पुरोहित ने 42 वर्ष की उम्र में इतनी कामयाबी हासिल की कि वे सफल उद्योगपति बने। इसके बाद आज भारतीय समाज के सामने गोधरा की कहानी फिल्म के रूप में लेकर आ रहे हैं। वे कहते हैं, यह फिल्म हमें बताती है कि दंगे होते क्यों हैं और यह हमें सीख भी देती है कि किसी भी कीमत पर दंगे होने नहीं चाहिए।

उद्योगपति व गोधरा फ़िल्म के प्रोड्यूसर बगदाराम जे पुरोहित का साक्षात्कार लेते हुए 'दो बजे दोपहर' के संपादक अरुण लाल

गोधरा जैसे मसले पर फिल्म बनाने में कितनी हिम्मत लगी?

जब गोधरा कांड हुआ तो मैं उन दिनों गुजरात में था। मैंने दंगे को करीब से देखा। मेरी आत्मा हिल गई थी। मैं समझ नहीं पा रहा था कि इंसान इंसान के प्रति इतना क्रूर कैसे हो सकता है? खैर, मेरे पास डायरेक्टर युवा निर्देशक एम.के. शिवाक्ष आए और कहा कि इस पर फिल्म बनाना चाहते हैं, तो मुझे लगा कि यह अच्छा मौका है कि हम यह जांच करें कि आखिर दंगे होते क्यों हैं? इस फिल्म को तैयार करने से पहले 5 वर्ष तक रिसर्च किया गया। हम वहां घर-घर गए। स्टेशन पर मौजूद लोगों से मिले। उन लोगों से मिले, जिन्होंने ट्रेन से लाशें निकालीं थीं। बहुत सारे अधिकारियों और नानावटी रिपोर्ट और कोर्ट के दस्तावेजों को लेकर यह फिल्म बनाई गई है।

किसी जाति या संप्रदाय को नहीं किया गया टारगेट

ओम त्रिनेत्र फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म में रणवीर शौरी और हितु कनोडिया मुख्य किरदार में हैं। मनोज जोशी, हितू कनोडिया, डेनिशा घुमरा अक्षिता नामदेव, गणेश यादव और राजीव सुरती जैसे कई कलाकारों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। 2 घंटे 14 मिनट की इस फिल्म में कहीं भी किसी जाति या संप्रदाय को टारगेट नहीं किया गया है। कहानी यह है कि विश्व हिंदू परिषद ने राम मंदिर निर्माण के लिए एक महायज्ञ रखा था, इस यज्ञ में हिस्सा लेने से देश भर से लोग पहुंचे। यज्ञ से हिस्सा लेकर लौटते समय गोधरा में यह कांड हुआ। यह सब करने वाले पकड़े गए, उन्हें फांसी की सजा हुई, बाद में उसे उम्र कैद में बदला गया।

14 वर्ष की उम्र से कर रहा हूं काम

मैं राजस्थान के डूंगरी गांव, रानीवाड़ा जिला सांचौर, राजस्थान का रहने वाला हूं। पिता किसान हैं। हम चार बहनें, तीन भाई हैं। चारों बहनें बड़ी हैं। भाइयों में मैं बड़ा हूं। गांव में गरीबी थी, खेती-बाड़ी में कुछ पैसे नहीं होते थे। तो 14 वर्ष की उम्र में मुंबई पहुंचा। बचपन में लोगों के घरों में काम किया। इसके बाद डायमंड का काम सीखा, 10 वर्ष यह काम किया। 2008 में डायमंड में मंदी आ गई। इस दौरान मैंने बीएमसी में कांट्रेक्टर के रूप में काम शुरू किया। गांव में खेत पर लोन लेकर आए थे, छोटी सी रकम से काम शुरू किया। और फिर धीरे-धीरे सफलता मिली।

सफलता चाहिए तो मेहनत बढ़ाएं

मैं गांव से आया, पिता ने मेहनत के संस्कार दिए थे। तो मैंने बचपन से जी तोड़ मेहनत की। समय लगा पर लगातार मेहनत ने सफलता दिलाई। यह धारणा कि सफल होने के लिए गलत काम करना होता है, पूरी तरह से गलत है। मैंने जीवन में कभी कोई गलत काम नहीं किया और भगवान की दया से आज मैं सफल हूं। मैं समझता हूं कि अगर आपको सफल होना है तो मेहनत बढ़ा दो, अगर आप 8 घंटे काम करते हैं, तो 12 घंटे करें, 12 करते हैं, तो 16 घंटें काम करें। यही तरीका है सफलता का। गलत रास्ते पर चलकर कोई कुछ समय तक सफल हो सकता है, लंबा समय नहीं।

फिल्म बनाने की कैसे सोची?

मुझे बचपन से फिल्मों का शौक था। 2012 में एक अलबम बनाई थी, जिसमें 5 गाने थे, पर किसी कारण ये यह रिलीज नहीं हो पाई। जब यह फिल्म बनाने की बात आई तो हमने बहुत रिसर्च की और अब यह फिल्म सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। इस फिल्म के माध्यम से हमने भारतीयों के सामने दंगों की हकीकत सामने रखने का प्रयास किया है। यह फिल्म हमें यह भी बताती है कि दंगे मानवता पर कलंक हैं, यह कतई नहीं होने चाहिए।

संसद सुरक्षा चूक मामला

दिल्ली पुलिस ने दाखिल की सप्लीमेंट्री चार्जशीट

आरोपियों के खिलाफ UAPA के तहत चलेगा केस

एजेंसी | नई दिल्ली

संसद सुरक्षा चूक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सोमवार को कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस मामले में अब आरोपियों को दो अगस्त को कोर्ट में पेश किया जाएगा और सुनवाई होगी। इस मामले में दिल्ली के राज्यपाल वीके सक्सेना ने सभी आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत केस चलाने की मंजूरी दी है। अब पुलिस ने पटियाला हाउस कोर्ट में आरोप पत्र दायर कर दिया है।

1000 पन्नों का आरोपपत्र दायर

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सात जून को इस मामले में गिरफ्तार सभी छह आरोपियों मनोरंजन डी, ललित झा, अमोल शिंदे, महेश कुमावत, सागर शर्मा और नीलम आजाद के खिलाफ करीब 1000 पन्नों का आरोपपत्र दायर किया था।

आरोपियों पर यूएपीए के तहत चलेगा केस

इस मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने छह आरोपियों पर गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। इन लोगों पर 13 दिसंबर 2023 को सदन की कार्यवाही के दौरान संसद पर कथित रूप से हमला करने का आरोप है।

कावेरी विवाद : तमिलनाडु सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई

एजेंसी | चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि तमिलनाडु को कावेरी नदी का कम पानी छोड़ने का कर्नाटक सरकार का रुख कड़ी निंदा योग्य है। उन्होंने घोषणा की कि अंतरराज्यीय नदी विवाद में आगे के कदम पर फैसला करने के लिए 16 जुलाई को विधायक दल के नेताओं की बैठक बुलाई गई है। स्टालिन ने एक बयान में कहा कि 15 जुलाई 2024 तक कर्नाटक के चार मुख्य बांधों में कुल भंडारण 75.586 टीएमसी फुट है, जबकि तमिलनाडु के मेट्टूर जलाशय में जल स्तर मात्र 13.808 टीएमसी फुट है। स्टालिन ने कहा कि इसके अलावा, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, पर्याप्त वर्षा की गुंजाइश है, इसलिए, कर्नाटक का कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) के निर्देश के अनुसार पानी छोड़ने से इनकार करना तमिलनाडु के किसानों के साथ विश्वासघात है। स्टालिन ने कहा कि राज्य इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा।

कर्नाटक 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ने को तैयार

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को कहा था कि राज्य सरकार सीडब्ल्यूआरसी के निर्देशानुसार इस महीने के अंत तक एक टीएमसी फुट के बजाय कावेरी नदी से तमिलनाडु को प्रतिदिन 8,000 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए तैयार है।

ASI ने भोजशाला सर्वेक्षण की रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंपी

तीन माह के सर्वेक्षण के बाद तैयार की दो हजार पन्नों की रिपोर्ट

इंदौर। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सोमवार को विवादित भोजशाला- कमाल-मौला मस्जिद परिसर के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की अपनी रिपोर्ट मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर पीठ को सौंप दी। दो हजार पन्नों की यह रिपोर्ट कोर्ट को सौंपने के बाद एएसआई के अधिवक्ता हिमांशु जोशी ने बताया कि मामले में सुनवाई अब सोमवार को होगी। इससे पहले चार जुलाई को हाईकोर्ट ने एएसआई को आदेश दिया था कि सर्वेक्षण की पूरी रिपोर्ट 15 जुलाई तक पेश करे। 11वीं सदी के इस स्मारक के परिसर में एएसआई ने लगभग तीन महीने तक सर्वेक्षण किया। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह परिसर एएसआई द्वारा संरक्षित है। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस नामक संगठन की अर्जी पर मध्यप्रदेश होईकोर्ट ने 11 मार्च को एएसआई को इस परिसर का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया था। इस पर एएसआई ने 22 मार्च को सर्वेक्षण शुरू किया जो हाल ही में समाप्त हुआ।

18 शिकायतें दी, 1000 बाल मजदूर नहीं हुए आजाद

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को दिल्ली सरकार से उस याचिका पर जवाब तलब किया जिसमें अधिकारियों से छापेमारी कर देशभर के विभिन्न हिस्सों से लाए गए करीब एक हजार बाल मजदूरों को मुक्त कराने का आग्रह किया गया है जिनसे कथित तौर पर बंधुआ मजदूरी कराई जा रही है। कार्यवाहक मुख्य न्यायधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला ने दिल्ली सरकार, राजस्व विभाग, दिल्ली बाल अधिकार सरंक्षण आयोग और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने नोटिस जारी किया और मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

हर 10 में से नौ ग्राहक कॉल ड्रॉप की समस्या से परेशान

नई दिल्ली। लगभग 89 प्रतिशत मोबाइल उपयोगकर्ताओं को पिछले तीन माह में कॉल ड्रॉप की समस्या का सामना करना पड़ा है और 10 में से नौ लोगों ने कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप के जरिये कॉल करने के लिए वाई-फाई नेटवर्क का इस्तेमाल किया है। ऑनलाइन सर्वेक्षण फर्म लोकलसर्किल्स ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि मार्च और जून के बीच मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं को कॉल ड्रॉप की अधिकता का सामना करना पड़ा है। यह सर्वेक्षण 362 जिलों से विभिन्न सवालों पर आई कुल 32,000 प्रतिक्रियाओं पर आधारित है।

क्या है रिपोर्ट ?

रिपोर्ट के मुताबिक, सर्वेक्षण में शामिल 89 प्रतिशत ग्राहकों को फोन पर दूसरे से संपर्क करने और चलती कॉल के बीच में कटने की की समस्या का सामना करना पड़ा है। इन 89 प्रतिशत लोगों में से 38 प्रतिशत को 20 प्रतिशत से अधिक कॉल में समस्या का सामना करना पड़ा है। कॉल ड्रॉप के संबंध में 17 प्रतिशत प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें अपनी आधी से भी अधिक कॉल में समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जबकि 21 प्रतिशत ने कहा कि उनके 20-50 प्रतिशत कॉल कट जाते हैं या अचानक कनेक्शन टूट जाता है।

धन विधेयक | जब मैं संविधान पीठ का गठन करूंगा तो इस पर फैसला लूंगा : CJI

कानून पारित करने की जांच के लिए गठित होगी पीठ

एजेंसी | नई दिल्ली

आधार अधिनियम जैसे कानूनों को धन विधेयक के रूप में पारित करने की वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई हैं। अब सुप्रीम कोर्ट इन याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक पीठ गठित करने पर विचार कर रहा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से अपील करते हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि याचिकाओं की सूचीबद्ध करने की जरूरत है ताकि उन पर सुनवाई हो सके।

क्या होता है धन विधेयक?

गौरतलब है कि धन विधेयक एक ऐसा विशेष विधेयक है, जिसे केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। और राज्यसभा उसमें संशोधन या अस्वीकृति नहीं कर सकती। उच्च सदन सिर्फ सिफारिशें कर सकता है और लोकसभा द्वारा उन सिफारिशों को माना भी जा सकता है और नहीं भी। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 110 के तहत परिभाषित मनी बिल, टैक्स, सार्वजनिक खर्च आदि जैसे वित्तीय मामलों से संबंधित है। राज्यसभा इस विधेयक में संशोधन या अस्वीकृति नहीं कर सकती।

याचिकाओं में सरकार पर लगाए गए आरोप

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि 'जब मैं संविधान पीठों का गठन करूंगा, तब इस पर फैसला लूंगा।' दरअसल धन विधेयक को लेकर विवाद तब उठा जब सरकार ने आधार अधिनियम और धन शोधन निवारण अधिनियम में कई संशोधनों को धन विधेयक के रूप में पेश किया था। इसके चलते इन विधेयकों को राज्यसभा में पेश नहीं किया गया, जहां सरकार के पास बहुमत नहीं था। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि सरकार ने राज्यसभा को दरकिनार करने के लिए ही कानूनों को धन विधेयक के रूप में पारित कराया। सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए कानून की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था, लेकिन इसने इस मुद्दे को खुला रखा कि क्या पीएमएलए में संशोधन को धन विधेयक के रूप में पारित किया जा सकता है। इस सवाल पर सात न्यायाधीशों की पीठ द्वारा विचार किया जाना था। सात जजों की पीठ पहले से ही धन विधेयक को परिभाषित करने के संवैधानिक प्रश्न और किसी विधेयक को धन विधेयक के रूप में प्रमाणित करने के लोकसभा स्पीकर के फैसले पर पुनर्विचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के अधिकार क्षेत्र के दायरे पर विचार कर रही है।

कर्नाटक के डिप्टी CM डीके शिवकुमार को 'सुप्रीम' झटका

सीबीआई केस के खिलाफ शिवकुमार की याचिका खारिज

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को झटका दिया। शीर्ष कोर्ट ने शिवकुमार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आय से अधिक संपत्ति मामले में अपने खिलाफ सीबीआई की एफआईआर को चुनौती दी थी। यानी कि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई की तरफ से दर्ज आय से अधिक संपत्ति से जुड़े केस को रद्द करने से इनकार कर दिया। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस एस सी शर्मा की पीठ ने कहा कि वह कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने के पक्ष में नहीं है।

माफ कीजिए, खारिज किया जाता : पीठ

पीठ ने कहा, 'माफ कीजिए। खारिज किया जाता है।' सोमवार को शीर्ष अदालत ने कर्नाटक हाई कोर्ट के 19 अक्टूबर, 2023 के आदेश के खिलाफ डीके शिवकुमार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई की।

ये है पूरा मामला

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शिवकुमार ने 2013 से 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से ज्यादा संपत्ति अर्जित की है। इस दौरान वह पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। बता दें कि सीबीआई ने 3 सितंबर, 2020 को उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी और शिवकुमार ने साल 2021 में एफआईआर को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।